मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष दशमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 131 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

14 नवंबर 2025 शुक्रवार

आज का मौसम

26 अधिकतम

8.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सबसे बड़ी जीत

लहर में तब्दील हुआ एनडीए के पक्ष में माहौल

एनडीए 202

भाजपा : 91

जेडीयू : 82

लोजपा : 21

हम-रालोपा : 08

महागठबंधन-अन्य 36

राजद : 27

कांग्रेस : 04

अन्य : 05

मतगणना जारी... दोपहर 2 बजे तक के रुझान

वैकल्पिक राजनीति का दावा करने वाले जनसुराज पार्टी के प्रशांत किशोर का खाता भी नहीं खुल सका। इसी तरह एआईएमआईएम के ओवेसी का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा

निराशाजनक हार

चुनावी नतीजे की सबसे बड़ी बातें

- पहली बार ऐसा जब 20 साल सत्ता में रहने के बावजूद एनडीए सरकार बरकरार
- महिला मतदाताओं ने नीतीश सरकार की योजनाओं पर जमकर लुटाया प्यार

सरकार बनाने का दावा कर रहे तेजस्वी यादव के वादों पर नहीं किया मतदाताओं ने ऐतबार

राहुल गांधी उन वोटरों की लड़ाई लड़ते रहे जिनका वजूद वोटर लिस्ट में था ही नहीं

महागठबंधन को बिहार ने नकारा, मिली करारी हार

फिर एनडीए सरकार

पटना, एजेंसी

विधानसभा के चुनाव परिणाम के रुझानों के अनुसार बिहार में एनडीए सरकार तय हो गई है। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड शानदार प्रदर्शन करते हुए पिछले चुनाव के मुकाबले दोगुनी सीट पर जीत दर्ज करने जा रही है।इससे तय लग रहा है कि सुशासन बाबू फिर से सीएम बनने जा रहे हैं। मुकाबला मुख्य रूप से एनडीए और महागठबंधन के बीच था। इसमें महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस एक बार फिर उसके लिए बड़ी कमजोर कड़ी साबित हुई है। बदलाव की राजनीति का दावा कर रहे प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के लिए अपना खाता खोलना भी मुश्किल दिखाई दे रहा है। बड़े चेहरों की बात करें तो राघोपुर से तेजस्वी यादव अपनी सीट पर फंसे हुए हैं। कई बार पीछे होने के बाद उन्होंने एक बार फिर बढ़त बनाई है। उनके बड़े भाई तेजप्रताप महुआ से पीछे चल रहे हैं। सम्राट चौधरी तारापुर से लीड कर रहे हैं। रघुनाथपुर से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा पीछे चलने के बाद एक बार फिर आगे हो गए हैं।

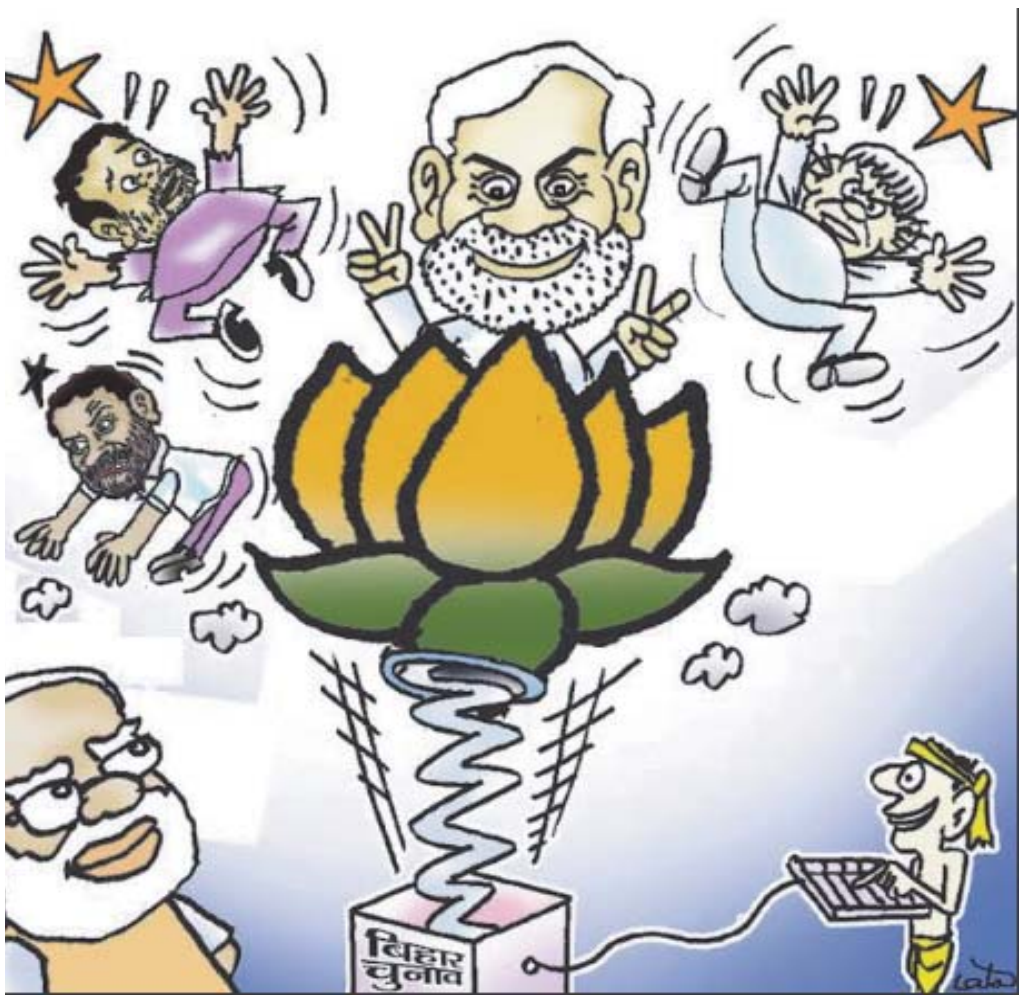

ज्यादातर एग्जिट पोल के नतीजे पतंगबाजी साबित हुए

हाल ही में वोटिंग के बाद से आए तमाम एग्जिट पोल्स में एनडीए को 140-150 सीटें मिलने का अनुमान जताया था। कुछ ने थोड़ा और आगे बढ़कर 160 तक जीतने का अनुमान लगाया था। मगर, ज्यादातर एग्जिट पोल्स के अनुमान फेल होते दिख रहे हैं। राज्य में कुल 243 सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 122 है। मतगणना के शुरुआती रुझानों में एनडीए को करीब-करीब 190 सीटें मिलती दिख रही हैं। ऐसे नामी-गिरामी एग्जिट पोल्स के अनुमान गलत साबित हो गए। ज्यादातर एग्जिट पोल्स ने एनडीए को 140-150 तक सीटें मिलने का अनुमान लगाया। कोई भी एग्जिट पोल यह अनुमान नहीं लगा पाया कि भाजपा, नीतीश और चिराग पासवान मिलकर एनडीए के आंकड़ों को 200 तक पहुंचा सकते हैं।

अमित शाह और धर्मेंद्र प्रधान भी रहे जीत के शिल्पकार

जब बिहार में चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई थी, बीजेपी को अंदाजा लग गया था कि उसे इस बार अपने बूते भी ज्यादा जोर लगाना पड़ेगा। इसी के चलते न सिर्फ धर्मेंद्र प्रधान जैसे कुशल चुनावी प्रबंधक के बतौर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बिहार भाजपा का चुनाव प्रभारी बनाया गया। वहीं बचीखुची कसर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पूरी कर दी। चुनावी अभियान के दौरान उन्होंने बिहार में खुद को झोंक दिया और चुनावी रणनीति की अपनी विशेषज्ञता को यूपी के बाद बिहार विधानसभा में साबित करने में वे कामयाब रहे। फिर एनडीए घटक दल के लिए सबसे बड़ा बोनस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे के रूप था। मोदी ने भले ही ज्यादा सभाएं नहीं ली, लेकिन जितनी भी चुनावी सभाएं उन्होंने की उसका बिहार में मतदाताओं पर व्यापक असर हुआ। जहां एक तरफ महागठबंधन के दल उन वोटरों की लड़ाई में मशगूल रहे जो मतदाता सूची में थे ही नहीं। इसके विपरीत भाजपा और जेडीयू सहित एनडीए घटक दल के कार्यकर्ता बूथ बूथ जाकर वोटर लिस्ट के मसौदे में सुधार कराते रहे। जिसके चलते पिछले विधानसभा के मुकाबले इस बार 24 लाख वोटर ज्यादा बढ़े और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं ने मतदान में वोटरों की भागीदारी बढ़ाने में भी ऐतिहासिक योगदान दिया।

अखिलेश के बाद अब तेजस्वी पर भारी पड़ी राहुल गांधी की संगत

बिहार चुनाव के जो नतीजे सामने आए हैं वो कम से कम मेरे लिए तो जरा भी हैरतकारी नहीं हैं। बिहार में चलते चुनाव प्रचार के दौरान टाइम्स नाऊ के ओपीनियन पोल को लेकर दोपहर मेट्रो ने कई सवाव खड़े करते हुए जो अपना आकलन पेश किया था वह मोटे तौर पर सच के करीब ही रहा है। केवल नीतीश कुमार की जेडीयू को लेकर हमारा आकलन थोड़ा गड़बड़ाया है। हालांकि बिहार में मतदान के दोनों चरण की वोटिंग होने के बाद निर्वाचन आयोग के जो आंकड़े आए हैं उसमें महिलाओं की पुरूषों के मुकाबले आठ फीसदी मतदान ज्यादा हुआ। इसके बाद सभी को लगने लगा था कि नीतीश बाबू पिछले चुनावों के मुकाबले बेहतर सीटें हासिल करेंगे। लेकिन दोपहर मेट्रो का यह आकलन बिल्कुल सच साबित हुआ है कि भाजपा सबसे ज्यादा सीटें जीतेगी और उसका स्ट्राइक रेट भी सबसे अधिक होगा। तेजस्वी की राजद, वामपंथी पार्टी और कांग्रेस की सीटें घटेंगी। चिराग पासवान की पार्टी भी अच्छी तादाद में सीटें जीतेगी, वह भी सच साबित हुआ। बिहार विधानसभा चुनाव में भारी मतदान को लेकर हमने कहा था कि मतदाताओं ने वोट चोरी के आरोपों को सिरे से नकार दिया है। हालांकि हार के कारणों की निष्पक्ष विवेचना करने के बाद तेजस्वी यादव और राहुल गांधी इस हार की वजह के लिए खुद की रणनीति को शायद ही स्वीकार करेंगे। वोट चोरी के आरोपों के साथ वे ईवीएम की अस्मिता पर भी सवाल उठाते दिखें तो इसमें कोई हैरत नहीं होना चाहिए। लेकिन मत भूलिए कि उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने 2017 का चुनाव राहुल गांधी की कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा था और बुरी तरह की मुंह की खाई थी। वही हाल बिहार में इस बार तेजस्वी का हुआ है। महागठबंधन का हिस्सा बनने के बाद राहुल गांधी की कांग्रेस को लेकर भी दोपहर मेट्रो ने साफतौर पर कहा था कि यहां भी 'हम तो डूबेंगे सनम आपको भी ले डूबेंगे' वाले नतीजे आएंगे। इसी के चलते इंडी गठबंधन के ज्यादातर घटक दल से लेकर मूल कांग्रेसी तक राहुल की कांग्रेस से छिटकते जा रहे हैं। यहां मेरी इस बात को जरूर अंडर लाइन कर लीजिए कि मैं बार-बार राहुल गांधी की कांग्रेस की बात कर रहा हूं। उस कांग्रेस की बात नहीं कर रहा हूं जिसकी मूल विचारधारा का आधार राहुल गांधी की कांग्रेस के मूल पिंड से जरा भी मेल नहीं खाता है। लेकिन भारत ही नहीं विश्व के ज्यादातर देशों में विलुप्ति की कगार पर जा पहुंची वामपंथी विचारधारा को अपने कांधों पर बिठाकर राहुल गांधी नई कांग्रेस को देश को सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी बनाने का सपना देख रहे हैं, वह पूरा नहीं हो सकता। लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस की सीटें अपवाद स्वरूप बढ़ीं (53 से 99)तो उसकी वजह राहुल का भाजपा पर संविधान और आरक्षण खत्म करने का नैरेटिव था। जबकि सच यह भी है कि भाजपा अपनी रणनीतिक भूलों और राहुल के नैरेटिव को नजरअंदाज करने के चलते पिछड़ी थी। लेकिन काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती इसीलिए राहुल अपने इस नैरेटिव को हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और अब बिहार में नहीं दोहरा सके। अगर वे इसी राह पर चलेंगे और कांग्रेस को चलाएंगे तब भी तय मानिए कि यही नतीजे सामने आएंगे। बिहार की जनता खासतौर पर महिलाओं ने एनडीए सरकार की उन घोषणाओं पर ज्यादा भरोसा किया जिनका बजट में प्रावधान करके नीतीश सरकार ने उसका लाभ पहुंचाने का काम किया। इसके विपरीत तेजस्वी यादव के वादों और दावों को हवा हवाई मानते हुए बता दिया कि जो सरकारी बजट या कानूनी तौर पर संभव नहीं है। 2 करोड़ 69 लाख परिवारों में से कम से कम एक सदस्य को नौकरी देने के लिए बिहार का खजाना इजाजत नहीं देता है। जब सरकारी भरती प्रतियोगी परीक्षा के जरिए होती है तो हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी आखिर कैसे दी जा सकती है? इसके विपरीत जनता ने नीतीश के वादों पर इस बूते यकीन किया कि बिहार का खजाना उनको पूरा करने में नाकाफी साबित होगा तो केंद्र की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसे पूरा करने की कोशिश करेंगे।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

राहुल का 'चोर' फिर गले नहीं उतरा

राहुल गांधी ने अपने भाषणों में जिस चोर शब्द को पकड़ा है, वह गले नहीं उतरता। खासतौर पर जब वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चोर शब्द से नवाजते हैं तो लोग उसे न सिर्फ नकारते बल्कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों को खारिज कर देती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने मोदी को राफेल चोर कहा। बिहार चुनाव में तो मोदी के साथ केंद्रीय निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को भी वोट चोर साबित करने में जुट रहे।

सच के करीब दोपहर मेट्रो

2 नवंबर को ही बता दिया था कि महागठबंधन की सीटें घटेंगी और बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी

आतंक पर प्रहार

दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी डॉ. उमर नबी का घर सुरक्षाबलों ने उड़ाया

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली ब्लास्ट केस में सुरक्षा बलों ने पुलवामा में आतंकी डॉ. उमर नबी के घर को आईईडी ब्लास्ट से उड़ा दिया है। गौरतलब है कि डीएनए मैचिंग के बाद इस बात की पुष्टि हो गई थी कि ब्लास्ट वाली कार में उमर ही था। डॉ. उमर पुलवामा के कोइल इलाके में रहता था। पुलिस उसके माता-पिता और भाईयों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। खुफिया एजेंसियों के अनुसार अब तक गिरफ्तार 8 आतंकियों ने बताया कि वे बाबरी मस्जिद ढहाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत देशभर में कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था।

छिंदवाड़ा में मिला विस्फोटक

छिंदवाड़ा से बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है। जिले के गुलाबरा क्षेत्र में पुलिस ने रिहायशी मकान में छापा मारकर भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की है। इस दौरान पुलिस को 204 छोटे और 2 बड़े डायनामाइट स्टिक, साथ ही तार का एक बंडल मिला। पुलिस ने मौके से 50 वर्षीय जाहिद पिता मोहम्मद खान को गिरफ्तार किया है।

जनजातीय गौरव दिवस

बड़वानी में बिरसा मुंडा की प्रतिमा का मुख्यमंत्री ने किया अनावरण

मुख्यमंत्री आज इंदौर के गोपाल मंदिर पहुंचे और मंदिर के जीर्णोद्धार की जानकारी ली।

बड़वानी, एजेंसी।

बड़वानी में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज पानसेमल के ग्राम मोरतलाई पहुंचकर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया और एक जनसभा को भी संबोधित किया। इससे पहले कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, पानसेमल विधायक श्याम बरड़े, कलेक्टर जयति सिंह और पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर दुर्घटना

रतलाम में बड़ा हादसा, बेकाबू कार खाई में गिरी, पांच लोगों की मौत

रतलाम, एजेंसी

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आज एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में 15 वर्ष का एक बच्चा भी शामिल है। घटना सुबह करीब 8 बजे की बताई जा रही है। मृतकों की पहचान महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित एलआईजी कॉलोनी, लतीफ चौक कुर्ला निवासी 15 वर्षीय दानिश पुत्र उस्मान चौधरी, 35 वर्षीय दुर्गेश प्रसाद, गुलाम रसूल पुत्र इशाक चौधरी, खलील पुत्र गुलाम रसूल और गुलाम पुत्र मोइनुद्दीन के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार रावटी से 10 किलोमीटर दूर भीमपुरा गांव में घटना माही नदी के पुल से पहले हुई। कार दिल्ली से मुंबई की ओर जा रही थी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस व हाईवे पेट्रोलिंग की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया। थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह गडरिया ने बताया कि परिजनों को सूचना कर दी गई है। हादसे के कारणों की जांच कर रहे हैं।

प्रोजेक्ट के नाम पर तोड़े दुकान व मकान, निर्माण अब ठंडे बस्ते में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

री-डेवलपमेंट से क्षेत्र विकास की उमीदें पूरी नहीं हो पाई हैं। रहवासी और दुकानदारों को तमाम लाभ गिनाए गए थे, लेकिन अब जो स्थिति सामने हैं वह भयावह है। शहर में अलग-अलग एजेंसियों के प्रोजेक्ट्स हैं, लेकिन तमाम प्रोजेक्ट्स की एक ही कहानी। जिसकी तेजी से लोगों के घर और दुकानों को हटाया गया उसकी तुलना में यहां काम ठंडा पड़ा हुआ है। घर-दुकान गंवाने वालों को नए मिलने की उम्मीद नहीं दिख रही है। रिटायर्ड राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जीपी माली का कहना प्रोजेक्ट्स में आम राय बनाना बेहद जरूरी है। इसके लिए सक्षम अधिकारियों की नियुक्ति करना चाहिए, ताकि विवाद को बनने से पहले ही निपटा लें। जमीनी काम तभी शुरू हो, जब विवाद न बचे। इससे तेजी से काम होगा। अभी जमीनी काम शुरू कर देते हैं और फिर विवाद में उलझ जाता है।

शहर में री-डेवलपमेंट के पांच प्रमुख प्रोजेक्ट में दावे की उलट स्थिति

यह है हकीकत

टीटी नगर- शहर का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट। 342 एकड़ क्षेत्रफल को नए सिरे से विकसित करना था। दस साल हो गए, सिर्फ सड़कें ही बनीं। शाम ढलते ही पूरे क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बढ़ जाता है। प्लॉट तक नहीं बिके।

पांच नंबर मार्केट- 50 साल पुराने मार्केट के लिए 272 करोड़ रुपए से हाउसिंग बोर्ड ने 1000 लैट का नया परिसर विकसित करना तय किया था। लोगों की सहमति मामले में मामला कोर्ट में पहुंचा। आधे- अधूरे मकान तोड़े, एक साल से ज्यादा का समय बीता, काम लगभग ठप है।

बिट्टन नगर- 40 साल पुराने बाजार में हाट से लगे हाउसिंग बोर्ड कार्यालय के कॉम्लेक्स को 100 करोड़ रुपए की लागत से विकसित करना था। दुकानदारों को अस्थाई जगह दी। 3 साल में बेसमेंट का काम नहीं हुआ।

रामनगर परीबाजार- पुराने भोपाल के 10.2 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले परीबाजार-रामनगर के पुलिस हाउसिंग क्षेत्र को भोपाल विकास प्राधिकरण ने नए फिर से विकसित करने का काम 2014 में शुरू किया था। अब तक तक काम खत्म नहीं हो पाया।

चौक बाजार- चौक बाजार को हेरिटेज बाजार के तौर पर विकसित करने का प्रोजेक्ट पांच करोड़ रुपए के बजट से 2014 में शुरू किया था। सभी दुकानों को हेरिटेज लुक देने, स्ट्रीट लाइट से लेकर अन्य काम भी इसे ऐतिहासिक बताने वाले होने थे, लेकिन लाल पत्थर लगातार काम पूरा कर दिया।

न्यू मार्केट- दस करोड़ रुपए की लागत से स्मार्ट सिटी ने लद्दाख के बाजारों की तर्ज पर इसे विकसित करना तय किया। करीब सात साल पहले डिजाइन तय की। यहां बीते सालों में सिर्फ पेविंग ब्लॉक, ग्रेनाइट लगाई गई।

दो करोड़ से बनी सड़क हुई बदहाल

अवधपुरी के कंचन नगर से लेकर पूर्वांचल कॉलोनी तक की रोड का हुआ था चौड़ीकरण निर्माण कार्य बंद, अमरावद खुर्द के रहवासियों को सड़क का अब भी इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी क्षेत्र की कंचन नगर से लेकर पूर्वांचल कॉलोनी तक बीडीए द्वारा करीब दो करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई सड़क मात्र आठ महीने में ही डैमेज होने लगी। मामले में स्थानीयों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान घटिया सामग्री का उपयोग किया गया था। जिसके वजह से कुछ ही महीनों में डामर उखड़ गया और जगह-जगह धंसाव शुरू हो गई। उधर अमरावद खुर्द क्षेत्र के रहवासी अब भी सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं।

तकनीकी विशेषज्ञों का मत: तकनीकी विशेषज्ञों का भी कहना है कि इस प्रकार की सड़कों का औसतन जीवनकाल कम से कम 5 से 7 वर्ष होता है, लेकिन यदि यह आठ महीने में ही खराब हो गई है, तो यह स्पष्ट रूप से घटिया गुणवत्ता का संकेत है। सड़क की बेस लेयर में मिट्टी और ग्रेवल का सही अनुपात न होना, और सही समय पर रोलिंग व क्योरिंग न करना भी इसकी स्थिति के लिए जिमेदार हैं।

अमरावद खुर्दवासियों को इंतजार: सड़क चौड़ीकरण योजना के तहत अमरावद खुर्द तक भी सड़क विस्तार का प्रस्ताव था, लेकिन कई महीने बीत जाने के बावजूद वहां अब तक काम शुरू नहीं हुआ है। इस कारण स्थानीय लोग धूल से भरे रास्तों से गुजरने को मजबूर हैं। जबकि इसमें अमरावद खुर्द रोड भी शामिल है। सड़क चौड़ीकरण परियोजना में अमरावद खुर्द तक सड़क विस्तार का प्रावधान था। अधिकारियों ने फरवरी 2025 में कहा था कि मई तक सड़क का काम पूरे क्षेत्र में पूरा हो जाएगा।लेकिन नवंबर तक भी अमरावद खुर्द के हिस्से में काम शुरू नहीं हुआ है।

बीडीए रोड के निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी: रहवासियों ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य पिछले साल शुरू किया गया था। लगभग कई तक काम चला, लेकिन निर्माण के दौरान न तो पर्याप्त रोलिंग की गई, न ही सड़क की बेस लेयर को मजबूती दी गई। बिटुमिन की परत भी अत्यधिक पतली थी, जिसके कारण पहले ही मानसून में डामर बह गया।

आसपास की लाइट भी है बेहद कमजोर : इसके अलावा सड़क में लगी स्ट्रीट लाइट्स की कैपासिटी भी बेहद कमजोर है क्योंकि वे सभी सोडियम युक्त लाइट्स हैं और उनका प्रकाश नीचे सड़क तक पहुंच ही नहीं पा रहा है इनके स्थान पर हाईमास्ट एलईडी लगाए जाने की जरूरत है,जिससे राहत मिल सके।

सामग्री की जांच कराई जाए

रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण में उपयोग हुई सामग्री की जांच कराई जाए और दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई हो। साथ ही अधूरे पड़े अमरावद खुर्द मार्ग को शीघ्र पूरा किया जाए ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। शहर में विकास कार्यों की बड़ी-बड़ी घोषणाओं के बीच अवधपुरी क्षेत्र में दो करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई सड़क की स्थिति सिर्फ आठ महीनों में ही जर्जर हो गई है। कंचन नगर से लेकर पूर्वांचल कॉलोनी तक बनाई गई इस सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं, डामर उखड़ चुका है। रहवासियों ने बताया कि नगर निगम को कई बार लिखित शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। मामले में स्थानीयों का कहना है कि निर्मित सड़क की तकनीकी जांच कराई जाए, और घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग पर ठेकेदार एवं संबंधित इंजीनियर के खिलाफ सत कार्रवाई हो। साथ ही, अधूरी पड़ी अमरावद खुर्द रोड का निर्माण जल्द शुरू किया जाए ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

विंटर यूनिफार्म के नाम पर लूट एक हजार की जैकेट 1500 में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के स्कूलों में विंटर यूनिफार्म लागू हो गई। इसके नाम पर एक हजार से ज्यादा स्कूलों में अभिभावकों से मनमानी हो रही है। इसकी कीमत 1300 से दो हजार तक तय हो गई। अभिभावकों को इसे मनमाने दामों पर खरीदना मजबूरी है। प्रशासन को अनदेखा कर दुकान विशेष और स्कूलों से इसे बेचा जा रहा है। सीबीएसई और प्ले स्कूल में यह मामले सबसे ज्यादा है। राजधानी में 150 सीबीएसई और करीब एक हजार प्ले स्कूल संचालित हैं। बच्चों को सर्दी से बचाने के लिए स्कूलों से विंटर जैकेट और श्वेटर के निर्देश जारी हुए। गोविंदपुरा के निजी स्कूल स्टूडेंट के अभिभावक को इसके लिए ढाई हजार रुपए चुकाने पड़े। साकेत नगर के एक अभिभावक ने बताया कि एमपी नगर सहित शहर में कुछ ही दुकानों पर स्कूल की विंटर यूनिफार्म मिली जो स्कूल मान्य कर रहे हैं। इसके रेट हर जगह एक जैसे हैं। यह नजारा प्ले स्कूलों में अलग है। यहां ये अपनी ही दुकान चला रहे हैं। अभिभावकों से राशि जमा कराकर स्कूल से ही स्वेटर और जैकेट दी जा रही है। शहर में दो लाख से ज्यादा स्टूडेंट हैं। इनके अभिभावकों को मनमाने दामों पर खरीदी के लिए मजबूर किया गया। इसके मामले आए हैं। अधिकांश मामलों में सामान्य से ज्यादा कीमत ली गई। परिवारों पर यह आर्थिक बोझ है। वहीं कह रहे हैं कि कोई स्कूल इस तरह से मनमानी नहीं कर सकता। इस पर कार्रवाई की जाएगी। जांच की जाएगी। निजी प्ले स्कूल जिला शिक्षा विभाग के तहत नहीं आते हैं।

प्रशासन के ये नियम, तोड़े तो जुर्माना

- फीस और यूनिफॉर्म की मनमानी रोकने कलेक्टर ने निर्देश जारी किए थे।
- निर्देश के तहत स्कूल और स्कूल परिसर से किताब यूनिफॉर्म नहीं बेची जा सकती है।
- अभिभावकों को दुकान विशेष पर जाने स्कूल मजबूर नहीं कर सकते
- तोड़ने पर स्कूल पर जुर्माने की कार्रवाई का नियम

लंग्स ट्रांसप्लांट करने वाला मध्य भारत का पहला अस्पताल होगा एम्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स में अब लंग्स ट्रांसप्लांट शुरू होने जा रहा है। इससे फेफड़ों की गंभीर बीमारी के मरीजों का उपचार और सुगम होगा। इसके लिए जरूरी सोटो (स्टेट ऑर्गन एंड टिशु ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन) टीम ने अस्पताल का निरीक्षण किया। रिपोर्ट मिलते ही ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। लंग्स ट्रांसप्लांट के लिए एक्मो मशीन, हार्ट-लंग्स मशीन और आइएडीपी मशीन का उपयोग किया जाएगा। ये मशीनें मरीज को सर्जरी से पहले और दौरान स्थिर रखने में मदद करती हैं।

कई ऑर्गन ट्रांसप्लांट की सुविधा होगी एम्स में: एम्स भोपाल में लंग्स ट्रांसप्लांट शुरू होने के बाद यह सेंट्रल इंडिया का पहला सरकारी अस्पताल होगा, जहां हार्ट, किडनी, बोन मैरो और लंग्स ट्रांसप्लांट की सभी सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध होंगी।

निरीक्षण गांधी मेडिकल कॉलेज की मेडिसिन विभाग की एचओडी के नेतृत्व में किया गया।

डॉक्टरों ने चेन्नई में ली विशेष ट्रेनिंग: लंग्स ट्रांसप्लांट के लिए एम्स के कार्डियक वैस्कुलर सर्जन की टीम ने ट्रेनिंग पूरी कर ली है। टीम ने चेन्नई में हार्ट और लंग्स ट्रांसप्लांट की विशेष तकनीकी प्रशिक्षण लिया। यह ट्रेनिंग सफल ट्रांसप्लांट के लिए अनिवार्य मानी जाती है।

बच्चों का किडनी ट्रांसप्लांट भी होगा जल्द शुरू: एम्स में अब पीडियाट्रिक किडनी ट्रांसप्लांट भी शुरू करने की तैयारी चल रही है। चार बच्चों को शॉर्टलिस्ट किया गया है और उनकी जांच प्रक्रिया जारी है। रिपोर्ट आने के बाद ट्रांसप्लांट किए जाएंगे।

संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर विशेष चित्रकला प्रदर्शनी

भोपाल। भारतीय संविधान के 75 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में सोसाइटी फॉर एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट के सहयोग से ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, ओबेदुल्लागंज के विद्यार्थियों द्वारा एक विशेष चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी रविवार, 16 नवम्बर को सुबह 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक भोपाल के डीबी मॉल, प्रथम तल, ग्लास ब्रिज पर आयोजित होगी। इस प्रदर्शनी में ग्रामीण भारत के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई 12 प्रेरणादायक चित्रकृतियाँ प्रदर्शित की जाएँगी, जो हमारे संविधान की भावना न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को रंगों और रचनात्मकता के माध्यम से जीवंत करेंगी।

78वां आलमी तबलीगी इज्तिमा में 19 देशों से लोग पहुंचे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ईंटखेड़ी में आज फजर की नमाज के बाद 78वां आलमी तबलीगी इज्तिमा शुरू हो गया। यह चार दिन (14 से 17 नवंबर) तक चलने वाला बड़ा धार्मिक कार्यक्रम है। इसमें लगभग 12 लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है। इंडोनेशिया, केन्या, मलेशिया, सऊदी अरब, ईरान, मोरक्को सहित 19 देशों से जायरीन (श्रद्धालु) पहुंच चुके हैं और अभी भी लोगों का आना जारी है। इस बार इज्तिमा का प्रबंधन पहले से ज्यादा बड़ा और व्यवस्थित है। मुख्य पंडाल 120 एकड़ में, पार्किंग 350 एकड़ में बनाई गई है और पूरा आयोजन क्षेत्र करीब 600 एकड़ में फैला है। दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद सुरक्षा और भी कड़ी कर दी गई है।

कृषि की ओर छलांग, शहर में ड्रोन रोबोटिक्स से खेती क्रांति की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान (सीआइएई) में आयोजित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में अब पारंपरिक खेती की जगह 'स्मार्ट' कृषि पर जोर दिया गया है। 'कृषि के लिए इंजीनियरिंग नवाचार 5.0' थीम पर शुरू हुई इस तीन दिवसीय संगोष्ठी के पहले दिन स्पष्ट हो गया कि भविष्य की खेती ड्रोन, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के इर्द-गिर्द घूमेगी।

संगोष्ठी में देश-विदेश के 600 प्रतिभागियों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और उद्योग प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जहां मेकाट्रॉनिक्स, रोबोटिक्स और स्वचालन के एकीकृत उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। मेकाट्रॉनिक्स व रोबोटिक्स का कृषि पर 'परिणाम' विशेषज्ञों ने बताया कि ड्रोन और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल छोटे और मझोले किसानों के जीवन को आसान बना रहा है।

सटीक छिड़काव: ड्रोन से खाद और कीटनाशक का छिड़काव बेहद सटीक होता है, जिससे न केवल रसायनों की बर्बादी रुकती है, बल्कि फसलों को सही समय पर सही मात्रा मिलती है।

श्रम और लागत में कमी: रोबोट और एआइ-आधारित उपकरण रोपण, निराई और कटाई जैसे कार्यों को कुशलता से संभाल सकते हैं, जिससे श्रम पर निर्भरता कम होती है और परिचालन लागत घटती है। ड्रोन और आई, मिट्टी और फसल स्वास्थ्य का विश्लेषण करके किसानों को सटीक निर्णय लेने में मदद करते हैं।

मेट्रो एंकर

पिपलेश्वर हनुमान मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का विश्राम

सुदामा चरित्र का वर्णन, फूलों संग खेली होली

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम नगर सैनिक कॉलोनी स्थित पिपलेश्वर हनुमान मंदिर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का गुरुवार को आम भंडारे के साथ विधिवत समापन हो गया। कथा के सप्तम और अंतिम दिवस पर कथावाचक पंडित जीवन प्रसाद तिवारी ने सुदामा चरित्र का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। श्रद्धालुओं ने फूलों की होली भी खेली।

कथावाचक जीवन प्रसाद तिवारी ने कृष्ण और सुदामा की अटूट मित्रता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन में मित्रता हो, तो वह कृष्ण-सुदामा जैसी होनी चाहिए। उन्होंने द्वारिकाधाम में सुदामा के आगमन का वर्णन करते हुए बताया कि जब सुदामाजी अपने मित्र कृष्ण से मिलने पहुंचे, तो भगवान कृष्ण ने उनका आतिथ्य सत्कार करते हुए कहा कि आज तुम्हारे आगमन से मेरा घर भी तीर्थ हो गया है। सुदामा की दयनीय स्थिति देखकर भगवान कृष्ण की आंखों से अश्रुधारा बह निकली और उन्होंने उन्हीं आंसुओं से सुदामा के चरण धो दिए, जो सुदामा के पैरों में चुभे हुए कांटों का दर्द देख कर छलक पड़े थे। प्रभु ने सुदामा से पूछा कि वह इतने दिन कहां रहे और अब तक उनसे मिलने क्यों नहीं आए। कथा के बीच-बीच में प्रस्तुत किए गए भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमे और थिरके। सप्तम दिवस पर कथा व्यासपीठ का पूजन करने के लिए कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इनमें नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, 0पार्षद प्रियंका अनिल मिश्रा, पार्षद अशोक मारण, कथा व्यास अनिलरूद्र महाराज, राधे महाराज, रूपेश लोधी मिल थे। सभी ने व्यासपीठ का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा के समापन के उपरांत हवन और आम भंडारे का आयोजन किया गया। कथा आयोजक मोनू श्रीवास्तव और अंकित श्रीवास्तव ने विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। पंडित रवि पटेरिया ने इस दौरान संगीतकारों को शॉल भेंट कर उनका स्वागत किया।

'मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0, सीएम मोहन ने निवेशकों से की वन-टू-वन चर्चा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0' में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया था। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन बैठक भी की, जिसमें निवेश और सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि देश के कई राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश सौभाग्यशाली प्रदेश है। राज्य सरकार ने टेक्नोलॉजी आधारित विकास की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सेना के साथ एमओयू किया है। उन्होंने कहा, बाबा महाकाल और खजराना गणेश की कृपा से यह कॉन्क्लेव सफल हो रहा है। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एमपी के भविष्य का घोषणा पत्र है।सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश संभावनाओं से भरा प्रदेश है। इंदौर अब बैंगलुरु जैसी बड़ी सिटी की तरह अपने पंख फैलाकर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में सिर्फ इंदौर ही नहीं, बल्कि जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर और भोपाल जैसे शहर भी तेजी से विकास की ओर अग्रसर हैं।

डेली कॉलेज बोर्ड को तगड़ा झटका

संविधान बदलने की कोशिशें नाकाम, हाईकोर्ट ने लगाई रोक

इंदौर, दोहपर मेट्रो

इंदौरडेली कॉलेज (डीसी) का संविधान बदलने के प्रयासों में जुटे डीसी बोर्ड को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जब तक रजिस्ट्रार फर्म एंड सोसाइटी, भोपाल और सहायक रजिस्ट्रार, इंदौर के समक्ष लंबित मामलों का निराकरण नहीं हो जाता, तब तक डेली कॉलेज संस्था संविधान संशोधन से जुड़े विषयों पर कोई निर्णय नहीं लेगी।

बोर्ड पर मनमानी और पद पर बने रहने के आरोप

दरअसल, डीसी बोर्ड पर लगातार संविधान संशोधन के प्रयास करने का आरोप है। कुछ अभिभावकों ने इस संबंध में कलेक्टर शिवम वर्मा से शिकायत की थी। शिकायत में कहा गया था कि बोर्ड के कुछ सदस्य हमेशा पद पर बने रहने के लिए चुनाव न कराने जैसे प्रावधान करना चाहते हैं। पेरेंट्स ने 12 नवंबर को होने वाली बैठक में संविधान संशोधन की तैयारी का भी हवाला दिया था। इस शिकायत के बाद कलेक्टर ने सहायक रजिस्ट्रार फर्म एंड सोसाइटी बीडी कुबेर को कार्रवाई के आदेश दिए थे। कलेक्टर ने पुराने लंबित मामलों का जिक्र करते हुए 12 नवंबर की बैठक में संविधान संशोधन संबंधी कोई भी फैसला लेने पर रोक लगाने को कहा था।इस मामले में डीसी बोर्ड के सदस्य संदीप पारीख ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। 12 नवंबर को जस्टिस प्रणय वर्मा की कोर्ट में इस याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई थी, जिसके बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। 13 नवंबर को यह फैसला सुनाया गया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता पीयूष पाराशर ने बताया कि हाईकोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया है कि रजिस्ट्रार (भोपाल) और सहायक रजिस्ट्रार (इंदौर) के समक्ष जो प्रकरण पेंडिंग हैं, उनका निराकरण होने तक संविधान संशोधन पर कोई फैसला नहीं लिया जाएगा।

क्या है पुराना विवाद?

अधिवक्ता पाराशर के अनुसार, 29 अगस्त 2025 को सहायक रजिस्ट्रार ने डीसी संस्था को साधारण आम सभा (बुलाने के निर्देश दिए थे। इसका उद्देश्य यह था कि संस्था के फैसले सिर्फ 9 सदस्यीय डीसी बोर्ड न ले, बल्कि सभी सदस्यों के अनुमोदन से निर्णय हों। इस आदेश के खिलाफ डीसी बोर्ड ने रजिस्ट्रार फर्म एंड सोसाइटी, भोपाल के पास अपील की थी। 19 सितंबर 2025 को हुई सुनवाई में बोर्ड को स्टे मिल गया था। रजिस्ट्रार का तर्क था कि स्टे नहीं देने पर अपील निष्प्रभावी हो जाएगी।

गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कराने तेज होंगे एक्शन

वित्त विभाग ने विभागों से मांगी डिटेल, ई-परिवहन और झुग्गी मुक्त मप्र की रिपोर्ट भी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश में गोचर भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने का मामला अगले महीनों में तेजी से प्रशासनिक कार्रवाई का रूप ले सकता है। इसकी वजह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गोपालन को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए जा रहे कार्यक्रमों के साथ गोवंश संरक्षण और संवर्धन की जानकारी जुटाने को लेकर दिए गए निर्देश हैं।

मुख्यमंत्री की मंशा को देखते हुए वित्त विभाग आगामी बजट में इस पर खासा फोकस करने की तैयारी मे है, हालांकि जिलों में गोचर भूमि अब नाम मात्र ही बची है। वित्त विभाग ने सभी विभागों से यह भी कहा है कि सुगम ग्रामीण परिवहन, ई-परिवहन, झुग्गी मुक्त मध्यप्रदेश के लिए जिलों में विभागों ने क्या काम किए हैं। सभी विभागाध्यक्षों, एसीएस, पीएस और संभागायुक्तों को जारी निर्देश में वित्त विभाग ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2026-2027 के बजट प्रस्ताव तैयार किए जाने के लिए 11 जुलाई को डिटेल निर्देश जारी किए गए थे। इसके अनुसार उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के बजट भाषण के लिए 15 जनवरी 2026 तक जानकारी भेजी जाना है। इसलिए सभी विभाग बजट भाषण के लिए आवश्यक जानकारी समय-सीमा में भेजना तय करेंगे।

बजट भाषण में यह ध्यान रखना होगा विभागों को

- पूर्व वित्त वर्ष की तुलना में चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक विभाग के कुल बजट के विरुद्ध कितनी राशि खर्च हुई है। विभाग में संचालित बड़ी योजनाओं के लक्ष्य व उपलब्धि की स्थिति क्या है?
- हितग्राही मूलक योजनाओं में लाभार्थियों की संख्या तथा लाभ विवरण। मध्यप्रदेश में केन्द्र प्रवर्तित योजना एवं केन्द्रीय क्षेत्रीय योजनाओं की स्थिति व प्रगति
- नई योजनाओं के संबंध में संक्षिप्त, तथ्यात्मक विवरण।
- पर्यावरण, वन, भूमि एवं जल स्रोतों का बेहतर प्रबंधन व संरक्षण नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, गोवंश संवर्धन व संरक्षण, गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए किए गए काम भी बताना होंगे। शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की गई कार्यवाही और जन-स्वास्थ्य, कुटीर व ग्रामोद्योगों के विकास व संरक्षण के लिए किए गए प्रयास बताने हैं।
- औद्योगिक नीति व निवेश प्रोत्साहन, ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व की धरोहरों व पर्यटन स्थलों का संरक्षण व संवर्धन, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई कार्रवाई बताना है।

एचओडी इस बारे में भी बताएंगे वित्त विभाग को

- नागरिकों की सुविधा के लिए विज्ञान एवं तकनीकी का प्रयोग, सुगम ग्रामीण परिवहन, ई-परिवहन, झुग्गी मुक्त मध्यप्रदेश के लिए काम भी बताने होंगे।
- राज्य के शासकीय कर्मचारियों के कल्याण के लिये की गई कार्यवाही, छोटे और मझोले उद्यमों के विकास के लिए किए काम बताना है।
- नवाचार, राजस्व वृद्धि के लिए किए गए उपाय तथा आम जन के जीवन को उन्नत करने के लिए विभाग द्वारा किए गए प्रयासों का विवरण देना है।
- विभाग द्वारा पूर्व वित्त वर्षों व वर्तमान वर्ष में अब तक रोजगार सृजन के लिये किए गए प्रयासों का तथ्यात्मक विवरण।
- शासकीय नियुक्तियों की वेतनमान, पदवार, श्रेणीवार संख्या व कुल संख्या का विववरण।
- श्रमिक व प्रवासी श्रमिकों के कल्याण, थर्ड जेण्डर, निराश्रित एवं बेघर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास, विमुक्त, घुमन्तु और अर्ध घुमन्तु जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के कल्याण के लिए किए गए काम तथा प्रगति से संबंधित विवरण
- विकसित भारत @2047 हेतु किए जा रहे प्रयास।

मप्र में सुचारू रूप से जारी है एसआईआर

प्रदेश में 85 फीसदी से अधिक गणना पत्रक का हुआ वितरण

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनिरीक्षण का कार्य सुचारु रूप से जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र श्री संजीव कुमार झा ने बताया कि प्रदेश में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची को शुद्ध व त्रुटि रहित बनाने के लिए विशेष गहन पुनिरीक्षण का अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश में 100% एन्युमरेशन फॉर्म प्रिंट होकर सभी 55 जिलों में पहुंचाए जा चुके है। 13 नवंबर की स्थिति में प्रदेश में लगभग 85त्न मतदाताओं को गणना पत्रक का वितरण किया जा चुका है। सतना,सीधी, बुरहानपुर,नीमच, अशोक नगर,पांढुर्णा और पन्ना जिले में लगभग सभी मतदाताओं को फार्म का वितरण भी किया जा चुका हैं।

प्रदेश में 65 हजार से अधिक बीएलओ है कार्यरत

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र झा ने बताया कि प्रदेश में 65 हजार 14 मतदान केंद्र है। सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ कार्यरत है। 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को एन्युमरेशन फॉर्म का वितरण किया जा रहा है। प्रदेश में 5 करोड़ 74 लाख 6 हजार 113 मतदाता दर्ज है। सभी बीएलओ के पास वर्ष 2003 की मतदाता सूची की प्रति भी उपलब्ध है।

प्रदूषण की मार के बीच एमपी बना नम्बर वन

पराली जलाने के मामले में पंजाब को भी पीछे छोड़ा, नर्मदापुरम सबसे आगे

किसानों के ऊपर एफआईआर का भी नहीं हो रहा असर

भोपाल, दोहपर मेट्रो

पराली जलाने में मध्य प्रदेश ने पंजाब को पीछे छोड़ दिया है। मध्य प्रदेश में रबी फसलों के लिए खेत तैयार करने के लिए पराली जलाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। 13 नवंबर को मध्य प्रदेश ने देर रात इस मामले में पंजाब को पीछे छोड़ दिया। देशभर में पराली जलाने की सर्वाधिक 5,146 घटनाएं मध्य प्रदेश में सामने आई हैं, जबकि पंजाब में 4,734 घटनाएं सामने आई हैं। मध्य प्रदेश में सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद पराली जलाने पर रोक नहीं लग पा रही है। कुछ जिलों में किसानों के ऊपर एफआईआर भी हुई, लेकिन इसका अधिक असर नहीं हुआ। स्थिति यह है कि 13 नवंबर को पराली जलाने की देशभर में 1,209 घटनाएं सामने आईं। इसमें सर्वाधिक 709 घटनाएं मध्य प्रदेश में हुईं, जबकि पंजाब

में 72 घटनाएं सामने आईं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की संस्था कंसोर्टियम फार रिसर्च आन एग्रोइकोसिस्टम मानिटरिंग एंड माडलिंग फ्राम स्पेस की रिपोर्ट के अनुसार 15 सितंबर से 13 नवंबर 2025 में पराली जलाने की देशभर में कुल 15,002 घटनाएं सामने आई हैं। इसमें सर्वाधिक 5,146 मध्य प्रदेश, 4,734 पंजाब, 2,783 उत्तर प्रदेश, 1,856 राजस्थान, 479 हरियाणा और चार घटनाएं दिल्ली में सामने आई हैं।

इस समय भी था नम्बर वन

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में 14 सितंबर से 14 नवंबर की अवधि में पराली जलाने की देश में सर्वाधिक 8,017 घटनाएं मध्य प्रदेश में दर्ज हुई थीं। दरअसल, इस वर्ष अतिवर्षा के कारण एक तो खरीफ फसल की बोवनी पिछड़ गई थी और दूसरा कुछ जगहों पर दोबारा बोवनी करनी पड़ी। इस वजह से कटाई में भी विलंब हुआ। मजदूरी भी महंगी हो गई है। यदि हैप्पी सीडर या अन्य यंत्रों से पराली को मिट्टी में मिलवाया जाता है तो लागत बढ़ जाती है, इसलिए किसान हार्वेस्टर से धान कटवाने के बाद खेत साफ करने के लिए अवशेष में आग लगा देते हैं और फिर चना, गेहूं या फिर रबी सीजन की अन्य फसलों की बोवनी करते हैं।

ज्ञान पर्यटन में छात्राओं ने जाना ग्रामीण जीवन का सार

भोपाल। अपर मुख्य सचिव पर्यटन संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा संचालित ज्ञान पर्यटन श्रृंखला के अंतर्गत गीतांजलि सरकारी कन्या महाविद्यालय, भोपाल की छात्राओं ने केकड़िया (भोपाल) में एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण की शुरुआत पारंपरिक विधि से हुई, जहां छात्राओं का स्वागत स्थानीय जनजातीय समुदाय की महिलाओं ने गीत और नृत्य के साथ किया। इसके बाद छात्राओं ने स्थानीय हाट बाजार का भ्रमण किया, जहां उन्होंने जनजातीय जीवनशैली की गहराइयों को नजदीक से समझा। उन्होंने पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों (चोमड़ी), जनजातीय चिकित्सा पद्धतियों, स्थानीय कृषि उत्पादों, जैविक वस्तुओं, अनाज, गृह उपयोगी सामग्री और पारंपरिक हथियारों जैसे धनुष-बाणों का भी अवलोकन किया।

आज से दूसरा फॉरेस्ट रिट्रीट

कूनो नेशनल पार्क में फिर है बड़े रोमांच की तैयारी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में वर्ष 2023 के बाद इस वर्ष फिर बड़े रोमांच की तैयारी है। 14 नवंबर से कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट फेस्ट सीजन-2.0 शुरू हो रहा है। इसमें पर्यटकों को जंगल सफारी के जरिये चीतों को प्राकृतिक रहवास में दिखाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। पर्यटकों के लिए भव्य टेंट सिटी बनाई गई है। इसके साथ कई एडवेंचर (साहसिक) गतिविधियां भी आकर्षण का केंद्र होंगी।

चीतों के बारे में जानकारी देने के लिए चीता इंटरप्रिटेशन सेंटर तैयार किया गया है। यहां पर्यटक चीतों के बारे में सब कुछ जान सकेंगे। इस बार भी 25 टेंट हाउस तैयार होंगे, जिसमें देश-विदेश के पर्यटकों को आमंत्रित किया गया है। इस सीजन में पर्यटक कूनो की समृद्ध जैव विविधता के बीच ग्लैंपिंग (लग्जरी सुविधाओं के साथ कैंपिंग) का अनूठा अनुभव ले सकेंगे। कूनो नेशनल पार्क में वर्तमान में 24 चीते हैं। इनमें से 16 चीते खुले जंगल में और आठ चीते बड़े बाड़ों में हैं। वर्ष 2023 के पहले फॉरेस्ट रिट्रीट में पर्यटक चीतों को नहीं देख सके थे। कूनो में जंगल सफारी के लिए फिलहाल 10 वाहन चल रहे हैं। पर्यटकों की सुविधा के लिए इनकी संख्या भी बढ़ाई जा रही है।

मेट्रो एंकर विदिशा की पुलिस पंचायत और टीकमगढ़ का नवपहल अभियान बने सामाजिक समरसता व महिला सुरक्षा के प्रतीक

मप्र पुलिस की संवेदनशील पहल – रिश्तों में लौटी मिठास

खंडवा, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस आज जनसेवा के उस स्वरूप का परिचायक बन चुकी है, जहाँ कानून-व्यवस्था के साथ संवेदनशीलता, संवाद और सहयोग सर्वोपरि हैं। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नागरिक-पुलिस संवाद, पारिवारिक समरसता और महिला सुरक्षा को लेकर निरंतर किए जा रहे प्रयास अब उल्लेखनीय परिणाम देने लगे हैं। प्रदेश के विदिशा की ÷पुलिस पंचायत÷ और टीकमगढ़ की ÷नवपहल÷ पहल ने मध्यप्रदेश पुलिस को संवेदनशीलता, संवाद और महिला सुरक्षा की नई पहचान दी है। इन पहलों से पारिवारिक रिश्तों में विश्वास लौटा है और महिला अपराधों में उल्लेखनीय कमी दर्ज हुई है।

विदिशा की ÷पुलिस पंचायत÷ — रिश्तों में लौटी मिठास– विदिशा में प्रारंभ हुई ÷पुलिस पंचायत÷ पहल अब पारिवारिक विवादों के समाधान की मिसाल बन चुकी है। अब तक आयोजित 34 बैठकों में कुल 98 प्रकरणों की सुनवाई की गई, जिनमें से 72 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। प्रत्येक बुधवार को आयोजित होने वाली इन पंचायतों में पारिवारिक विवाद, संपत्ति संबंधी मतभेद एवं वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मामलों का संवाद, सहानुभूति और सामाजिक सहमति से निराकरण किया जाता है।

जागरुकता से पैदा हुआ भरोसा

इन अभियानों के माध्यम से महिला सुरक्षा, वन स्टॉप सहायता, आत्मरक्षा प्रशिक्षण और जागरूकता से पुलिस और समाज के बीच नए भरोसे का रिश्ता बना है। महिला हेल्प डेस्क, संवेदनशील क्षेत्रों में सक्रिय पेट्रोलिंग, सोशल मीडिया निगरानी और स्कूल-कॉलेज परिसरों में नियंत्रण गतिविधियाँ ने टीकमगढ़ पुलिस की छवि को समाज के प्रति समर्पित प्रहरी के रूप में स्थापित किया है। विदिशा की पुलिस पंचायत और टीकमगढ़ की नवपहल जैसी पहलें इस बात का जीवंत उदाहरण हैं कि मध्यप्रदेश पुलिस अब केवल कानून-व्यवस्था की प्रहरी नहीं।

पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के नेतृत्व में गठित पंचायत कोर कमेटी – डॉ. सचिन गर्ग, श्री आर. कुलश्रेष्ठ, श्री प्रमोद व्यास, श्री दिनेश वाजपेयी, श्री अजय टंडन, श्री अतुल शाह, श्री विनोद शाह एवं श्री पार्थ पित्तलिया सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

यह पहल न केवल विवादों के निपटारे तक सीमित रही, बल्कि इसने संवाद और सहानुभूति के माध्यम से टूटते रिश्तों को फिर जोड़ने का कार्य किया है। वर्षों से बिछड़े परिवार एक-दूसरे से मिले, वृद्ध जनों को उनका हक मिला और समाज में यह संदेश गया कि पुलिस जनता की हमदर्द और सहभागी है। ÷पुलिस पंचायत÷ ने यह साबित किया है कि संवाद से बढ़कर कोई न्याय नहीं – यह पहल कानूनी समाधान के साथ सामाजिक समरसता का पुल बन चुकी है।

टीकमगढ़ की ÷नवपहल÷ – महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी कदम– टीकमगढ़ में पुलिस अधीक्षक श्री मनोहर सिंह मंडलोई के मार्गदर्शन में प्रारंभ ÷नवपहल÷ अभियान ने महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इस पहल से जिले में महिला अपराधों में लगभग 37त्न तक की कमी दर्ज की गई है।

सुरक्षा तंत्र की अग्निपरीक्षा

दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर की शाम हुआ धमाका महज एक हादसा नहीं-यह उस नापाक इरादे का सबूत है जो भारत की शांति, एकता और लोकतांत्रिक आत्मविश्वास को चुनौती देना चाहता है। राष्ट्रीय राजधानी के हृदय में हुआ यह विस्फोट न केवल 12 मासूम जिंदगियों को लील गया, बल्कि हमारे सुरक्षा ढांचे और खुफिया तंत्र के सामने गंभीर सवाल भी खड़े कर गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक ने इसे स्पष्ट रूप से आतंकी घटना करार दिया। बैठक की शुरूआत दो मिनट के मौन से हुई-लेकिन मौन के बाद जो शब्द गूंजे, वे दृढ़ता और चेतावनी दोनों का प्रतीक थे। प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत आतंकवाद पर अपनी जीरो टॉलरेंस नीति से एक इंच भी नहीं हटेगा।' यह वाक्य सिर्फ राजनीतिक घोषणा नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय प्रतिज्ञा के समान था। सरकार ने जांच एजेंसियों को साफ निर्देश दिए हैं-दोषियों, उनके सहयोगियों और प्रायोजकों तक हर हाल में पहुंचा जाए। एनआईए, दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियां अब पूरी गंभीरता से इस साजिश की परतें खोलने में जुटी हैं। शुरूआती जांच में यह संकेत मिला है कि धमाके में हाई-इंटेंसिटी विस्फोटक का इस्तेमाल हुआ और इसमें अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी भूटान दौरे से लौटते ही एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे, घायलों से मुलाकात की, और देश को आश्वस्त किया कि 'दोषी बख्शे नहीं जाएंगे।' शाम को उन्होंने आपात कैबिनेट बैठक बुलाई और राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता घोषित किया। सरकार ने दुनिया भर से मिले समर्थन संदेशों को भी सराहा-यह इस बात का संकेत है कि भारत आज अकेला नहीं खड़ा, बल्कि वैश्विक सहयोग की नई धुरी पर दृढ़ता से टिके हुए है। इसी बीच, सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए रॉ प्रमुख पराग जैन को सुरक्षा सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। यह कदम बताता है कि सरकार खुफिया और सुरक्षा समन्वय को और मजबूत करने की दिशा में तत्कालिक कदम उठा रही है। पर सवाल यह भी उठता है-क्या दिल्ली जैसी संवेदनशील राजधानी में इस तरह की चूक की कोई गुंजाइश होनी चाहिए थी? आतंक का यह चेहरा हमें याद दिलाता है कि शांति का हर क्षण सजगता की कीमत मांगता है। लाल किला, जो स्वतंत्रता का प्रतीक है, आज फिर इतिहास की पुकार दोहरा रहा है- सुरक्षा सिर्फ दीवारों से नहीं, चेतना से बनती है। और यही चेतना आज हर नागरिक में जागनी चाहिए।

विश्व मधुमेह दिवस

मधुमेह की बढ़ती भयावहता-इसे दवाओं से नहीं, संतुलित जीवन शैली से परास्त करें

ललित गर्ग
स्तम्भकार

दुनिया में बढ़ती मधुमेह की भयावहता इसलिये चिन्ताजनक है कि हर तीसरा शहरी वयस्क डायबिटीज से जूझ रहा है। यह बीमारी अनेक अन्य बीमारियों को भी बढ़ाने का बड़ा कारण है। मधुमेह के बढ़ने के कारणों में मुख्यतः खानपान में अनियमितता और शारीरिक निष्क्रियता सबसे बड़ी वजह है। विश्व मधुमेह दिवस हर वर्ष 14 नवंबर को मनाया जाता है। यह दिन प्रसिद्ध वैज्ञानिक फ्रेडरिक बैंटिंग के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जिन्होंने 1922 में इंसुलिन की खोज कर दुनिया को मधुमेह से राहत देने का मार्ग दिखाया। अंतरराष्ट्रीय मधुमेह संघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1991 में इसकी शुरुआत की थी। इस वर्ष का थीम है मधुमेह और समग्र कल्याण। यह थीम इस तथ्य पर केंद्रित है कि मधुमेह का उपचार केवल दवाइयों से नहीं बल्कि संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली से संभव है। मधुमेह आज एक वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। बदलती जीवनशैली, अनियमित भोजन, तनाव, मोटापा और शारीरिक निष्क्रियता इसके प्रमुख कारण हैं। यह बीमारी चुपचाप शरीर को भीतर से खोखला करती है और हृदय, गुर्दे, आंखों और नसों पर गहरा असर डालती है। मधुमेह को नियंत्रित करना केवल चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है। इसके लिए सबसे पहले जीवन में संतुलन एवं सात्विक जीवनशैली की आवश्यकता होती है यानी संतुलित आहार, संतुलित नींद, संतुलित विचार और संतुलित आचरण। जीवन का यह संतुलन ही स्वास्थ्य का मूल मंत्र है। जब हम अपने जीवन को एक अनुशासन में ढालते हैं, तो रोग अपने आप दूर भागते हैं। मधुमेह आज केवल रोग नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है।

मधुमेह का प्रबंधन केवल दवा और आहार तक ही सीमित नहीं है; इसमें मानसिक स्वास्थ्य सहायता, तनाव प्रबंधन, जीवनशैली शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव भी शामिल है। इसका लक्ष्य रोगी को मधुमेह की चुनौतियों का सामना करते हुए एक स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के लिए सशक्त बनाना है। समग्र देखभाल, शीघ्र हस्तक्षेप और सहायक वातावरण को बढ़ावा देकर, मधुमेह रोग के बजाय व्यक्ति के उपचार के महत्व पर जोर देना मधुमेह दिवस का उद्देश्य है। यह दिवस मधुमेह से पीड़ित लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और जीवन की गुणवत्ता के बीच महत्वपूर्ण संबंध पर प्रकाश डालता है। इस वर्ष का अभियान डॉक्टरों, नीति निर्माताओं और समुदायों से आग्रह करता है कि वे केवल रक्त शर्करा के स्तर से आगे बढ़कर रोगी के संपूर्ण कल्याण पर ध्यान केंद्रित करें।

डायबिटीज जैसी घातक एवं असाध्य बीमारी को नियंत्रित करने के लिये अफवाहों से बचना जरूरी है, इसके लिये बड़ा दिल नहीं, समझदार दिल होना चाहिए। मर्यादित आहार ही, इस बीमारी को रोकने का एक सस्ता और असरदार उपाय हो सकता है। डायबिटीज (मधुमेह) की समस्या भारत समेत पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रही है। इसके चलते हमें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। डायबिटीज पहले अमूमन अधेड़ उम्र के लोगों में होती थी, अब यह बच्चों एवं युवकों को भी शिकंजे में ले रही है। भारत में करीब 10 करोड़ लोगों को डायबिटीज है। वहीं विश्व में 44 करोड़ लोग इससे पीड़ित है। भारत में डायबिटीज की प्रचलित दर 11.5 प्रतिशत है, जबकि प्री डायबिटीज के मामलों की दर 15.3 प्रतिशत तक पहुँच गई है , यानी देश का हर 10 में से एक व्यक्ति इस बीमारी से प्रभावित है। एक अनुमान के अनुसार 85 करोड़ लोग दुनिया भर में डायबिटीज के मरीज 2050 तक हो जाएंगे। मधुमेह से बचने और इसे नियंत्रित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है नियमित शारीरिक गतिविधि। सुबह-सुबह की सैर, हल्का व्यायाम, दौड़ना या साइकिल चलाना न केवल शरीर को सक्रिय रखता है बल्कि रक्त में ग्लूकोज के स्तर को भी संतुलित करता है। इसके साथ ही योग और ध्यान का अभ्यास मधुमेह के नियंत्रण में अत्यंत प्रभावी माना गया है। योग केवल शरीर को लचीला नहीं बनाता बल्कि मन को शांत करता है और तनाव को कम करता है। प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी जैसे योग अभ्यास इंसुलिन के स्राव को संतुलित करते हैं और मन को स्थिर बनाते हैं।

मधुमेह के रोगियों को नियमित रूप से अपने शुगर स्तर की जांच करनी चाहिए और डॉक्टर की सलाह का पालन करना चाहिए। दवा के साथ-साथ आत्म-निगरानी और जीवनशैली में निरंतर सुधार ही स्थायी स्वास्थ्य का आधार है। छोटी-छोटी बातों में सावधानी ब?ी बीमारियों से रक्षा करती है। शरीर को सक्रिय रखना, मन को शांत रखना और भोजन को संयमित रखना-ये तीन सूत्र मधुमेह नियंत्रण के त्रिदेव हैं। इस वर्ष के विश्व मधुमेह दिवस का संदेश यही है कि केवल दवा नहीं, बल्कि जीवन की दिशा बदलनी होगी। मधुमेह को नियंत्रण में रखने का सबसे कारगर उपाय है-÷संतुलित जीवन।÷ जब मन, शरीर और आत्मा का समन्वय होता है तो स्वास्थ्य अपने आप खिल उठता है। इस 14 नवम्बर को हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी जीवनशैली को अनुशासित, सकारात्मक और स्वास्थ्य-केंद्रित बनाएंगे। नियमित योग और ध्यान करेंगे, भोजन में संयम रखेंगे, तनाव को दूर करेंगे और अपने शरीर को प्रेम से समझेंगे। क्योंकि स्वस्थ शरीर ही जीवन की सबसे ब?ी पूंजी है। मधुमेह जैसी बीमारी हमें भयभीत करने के लिए नहीं आई, बल्कि हमें सजग, अनुशासित और संतुलित जीवन जीने का संदेश देने के लिए आई है। अगर हम यह संदेश समझ जाएं तो मधुमेह भी जीवन के संतुलन की शिक्षक बन जाती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बाल दिवस विशेष

चाचा नेहरू : आधुनिक भारत का निर्माण करने वाली करिश्माई शख्सियत

दिलीप कुमार पाठक
पत्रकार

आज का दिन महानायक नेहरू जी को समर्पित है। बाल दिवस पण्डित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर को मनाया जाता है। यह दिवस बच्चों के प्रति प्यार, स्नेह और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। नेहरू जी बच्चों से बहुत प्यार करते थे और उन्हें चाचा नेहरू कहा जाता था। उन्होंने बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के लिए कई काम किए थे। इसलिए, उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

परम विद्वान प्रेम बांटने वाले करिश्माई शख्सियत नेहरू के बारे में इतना लिखा गया है, कि कोई भी उनके व्यक्तित्व का अध्ययन करे तो बहुत कुछ समझ सकता है। पण्डितजी केवल एक शख्स नहीं बल्कि अपने आप में एक राष्ट्र थे। भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति में एक ऐसा महानायक हुआ जिनके राजनीति में पदार्पण के बाद वैश्विक परिदृश्य में उत्सुकता बढ़ी कि नेहरू की शख्सियत क्या है? आज कई लोगों को लगता है, कि भारत की ख्याति अब ही बढ़ी है, जबकि सच्चाई यह है, भारत हमेशा से ज्ञानियों की धरती रही है, अपने मुल्क का स्थान हमेशा उच्च रहा है। आज के दौर में भारत में कोई भी पीएम बन जाए किसी की भी इज्ज़त होगी, इसमे कोई ढोल पीटने की बात नहीं है। जानने लायक पहलू यह है कि देश में आज नेहरू के कद को छोटा करने के लिए तरह-तरह से दुष्प्रचार किया जाता है, फिर भी नेहरू का कद विराट होता जा रहा है। आज के नकारात्मक दौर में नेहरू जी का नाम ज्यादा प्रासंगिक हुआ है। हमें आज के दौर में बहुत सोचने की जरूरत है कि ऐसा क्या है कि हम आधुनिक युग में संकीर्णता से ग्रसित होते चले जा रहे हैं। नेहरू ऐसे युगपुरुष थे, जिन्होंने जेल में अपने समय का सदुपयोग करते हुए, एक से बढ़कर एक महान पुस्तकें लिख डालीं। आजाद भारत के निर्माता नेहरू जी के बारे में किसी ने क्या खूब कहा था पूरी दुनिया की लोकतांत्रिक राजनीति में एक ऐसा महानायक हुआ, जिसने पूरी दुनिया की लोकतांत्रिक राजनीति को छुआ और राजनीति शुद्ध हो गई।

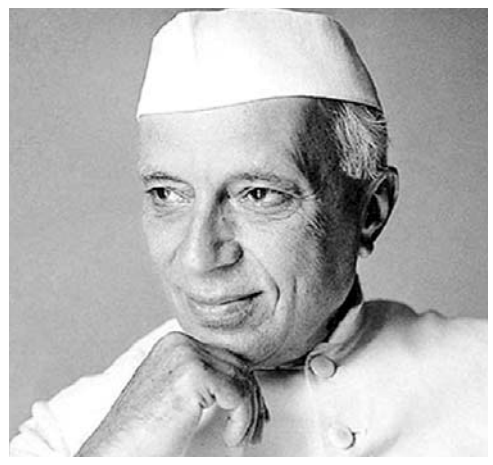

यह सभी को पता है कि देश 1947 आजाद हुआ था, अंग्रेजी सत्ता के बाद बाद भी भारत दुनिया में अपनी संस्कृति और परंपराओं और शांतिप्रिय होने की वजह से काफी नाम कमा रहा था, पूरी दुनिया में भारत के प्रति जिज्ञासा थी, समय - समय पर भारत में महानायक हुए हैं, जिन्होंने भारत सहित पूरी दुनिया को एक नई दिशा दी। ऐसे ही एक महानायक हुए ! पण्डित जवाहर लाल नेहरू.... पण्डित नेहरू जब देश के प्रधानमंत्री बने थे, तब देश की एक बड़ी आबादी कपड़े नहीं पहनती थी। भारत - पाकिस्तान दोनों मुल्क एक साथ ही आज़ाद हुए, मुस्लिम लीग पार्टी ने मजहब के नाम पर पाकिस्तान की मांग की थी, वहीँ भारत अपनी रूढ़िवादी सोच को छोड़कर आधुनिकीकरण की राह पर अग्रसर था। पूरी दुनिया की तारीख उठा कर देखा जाए जिस देश में सेना का राजनीतिक दखल रहा है, उस देश ने कभी भी स्थिरता नहीं पाई. आज भी पाकिस्तान लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में स्थिरता प्राप्त नहीं कर सका, वही भारत में कांग्रेस इतनी मजबूत थी, कि उसने सेना पर नियंत्रण भी पाया, एवं ऐसे प्रशासनिक सुधार किए की आज भारत में सेना का कोई भी राजनीतिक दखल नहीं है। यह नेहरू जी की ही बेहतरीन प्रशासनिक व्यवस्था की नज़ीर है। आज़ादी के बाद नेहरू ने अगस्त, 1947 को ब्रिटिश कमांडर इन चीफ को लिखा था, सेना या किसी दूसरे क्षेत्र से जुड़ी नीति में भारत सरकार के आदेश का पालन होना चाहिए, अगर सेना का कोई अधिकारी भारत सरकार द्वारा निर्धारित नीति का पालन नहीं करेगा , तो भारतीय सेना में उसकी कोई जगह नहीं होगी। आज भी सेना को भारतीय प्रशासनिक आदेश की बाध्यता है।

पण्डित नेहरू जी अपनी बौध्दिकता, दूरदृष्टि के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं, पण्डित ज़ी ने अपनी दूरदृष्टि और समझ से पंचवर्षीय योजनाएं बनाईं उनसे देश को आज भी लाभ मिल रहा है। आईआईटी, आईआईएम, एम्स, इसरो, जैसी आधुनिक अवधारणाएं ज़मीन पर उतार लाए थे।

भारत की स्वतंत्रता सेनानी के रूप में योगदान देना, संविधान सभा की अध्यक्षता करना। हरित क्रांति की शुरुआत करना।

परमाणु ऊर्जा आयोग का गठन करना, अंतर्राष्ट्रीय संबंध के लिए गुटनिरपेक्ष नीति अपनाना, शिक्षा और स्वास्थ्य पर काम करना। वहीं गांधी जी के विचारों का प्रसार करना उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियां रही हैं।

आज भी पण्डित नेहरू जी को कुछ भी बोला जाता हो, लेकिन सच्चाई यही है कि पण्डित नेहरू जी ने देश को जब सम्भाला, और संवारने का काम किया, जब देश के अधिकांश लोगों को हस्ताक्षर करना भी नहीं आता था, उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, से लेकर उद्योग जगत को बेहतर बनाने के लिए कई काम किए साथ ही उद्योग धंधों की भी शुरूआत की, उन्होंने भाखड़ा नांगल बांध, रिहंद बांध और बोकारो इस्पात कारख़ाना की स्थापना की थी। पण्डित नेहरू इन उद्योगों को देश के आधुनिक मंदिर मानते थे, यह कोई अत्यंत आधुनिक सोच का इंसान ही बोल सकता था।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

घायल तो यहां हर परिंदा है।
मगर जो फिर से उड़ सका
वहीं जिंदा है...

-अज्ञात

निशाना

जनता को भड़का रहे..!

हरिओम श्रीवास्तव

संविधान है देश के, शासन का आधार।
जिस पर ही अब देश में, मची हुई तकरार।।
सबका ही उद्देश्य हो, भारत रहे अखण्ड।
भंग करे जो एकता, मिले उसी को दण्ड।।
विविध जातियाँ देश में, और विविध हैं धर्म।
किंतु 'धर्म निरपेक्षता' संविधान का मर्म।
संविधान के सामने, सारे लोग समान।
यह भी होना चाहिए, सब लोगों को ज्ञान।।
जाति धर्म के नाम पर, वही कराते जंग।
सत्ता पाने की जिन्हें, उठती सदा तरंग।।
नफरत फैलाना सदा, जिन लोगों का काम।
वही सनातन धर्म को, करते हैं बदनाम।।
सभी धर्म कहते यही, करो सदा सत्कर्म।
शांति और सद्भाव ही, सब धर्मों का मर्म।।
भ्रम फैलाकर देश में, जो करते सुखभोग।
जनता को भड़का रहे, पाखंडी वह लोग।।
भारत माँ की विश्व में, तभी बढ़ेगी शान।
जब मिलकर बोलें सभी, जय जय हिंदुस्तान।

हेल्थ अलर्ट

सोते हुए आते हैं तेज खर्राटे .. यह हो सकता है स्लीप एपनिया का चिंताजनक संकेत

सभी के घरों में कोई न कोई ऐसा शख्स जरूर होगा, जो सोते हुए जोरों से खर्राटे लेता हो। खर्राटे लेकर सोने वाले लोग दूसरों को बहुत परेशान करते हैं। अक्सर लोग इसे एक आम समस्या समझ लेते हैं, लेकिन कई बार ये आम-सी दिखने वाली समस्या बड़ी भी हो सकती है।

डॉ. पीयूष मिश्रा, जनरल फिजिशियन एंड इम्यूनाइजेशन ऑफिसर ,नॉर्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट, नई दिल्ली, के मुताबिक खर्राटे की समस्या को अक्सर लोग हंसी मजाक में टाल देते हैं। हालांकि, आपको जानकर हैरानी होगी कि ये आम-सी लगने वाली समस्या गंभीर रूप भी ले सकती है। क्या आप जानते हैं कि बिस्तर से आने वाला यह शोर किसी छिपी हुई गंभीर स्वास्थ्य समस्या की घंटी भी हो सकता है?

अगर किसी व्यक्ति को रोज़ाना तेज़ खर्राटे आते हैं, तो यह सिर्फ नींद की परेशानी नहीं बल्कि स्लीप एपनिया जैसी स्थिति का संकेत भी हो सकता है।

समय रहते जांच और सही इलाज न कराया जाए, तो यह समस्या हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और थकान जैसी गंभीर दिक्कतों का कारण बन सकती है। खर्राटे तब आते हैं जब गले के लूज टीश्यूज से हवा गुजरती है और कंपन पैदा करती है। अधिकतर लोग कभी-कभार खर्राटे लेते हैं, लेकिन कुछ के लिए यह एक समस्या बन जाती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि खर्राटे चिंता का विषय हो सकते हैं, खासकर जब आपको जोरों से खर्राटे आते हों, बार-बार आते हों या सांस लेने में रुकावट पैदा करते हों।

खर्राटे लेना किस बीमारी का संकेत: एक्सपर्ट कहते हैं कि हल्के-फुल्के खर्राटे आमतौर पर हानिरहित होते हैं, लेकिन नियमित और जोरदार खर्राटे गंभीर स्थिति, जैसे ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का संकेत हो सकते हैं। इस स्थिति में, नींद के दौरान वायुमार्ग अवरुद्ध हो जाता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम होता है और आपकी नींद टूटती है। इसका सीधा असर आपके दिन पर पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप आपको थकान, एकाग्रता में कमी और मिजाज में बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यदि आप इस उलझन में हैं कि आपके खर्राटे सामान्य हैं या जोरदार हैं, तो आपको कुछ संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि आपके खर्राटे तेज हैं, लगभग हर रात आते है या यदि सोते समय आपको सांस रुकने, दम घुटने या हांफने जैसा अहसास होता है, तो बिना देर किए डॉक्टर से मिलें। दिन के दौरान दिखने वाले लक्षण जैसे अत्यधिक थकान, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, सुबह सिरदर्द, चिड़चिड़ापन या याददाश्त की समस्या भी स्पष्ट चेतावनी के संकेत हैं।

पेरेंटिंग

नए पेरेंट्स के लिए मुश्किल भरी होती हैं चुनौतियां प्यार और समझ से आसान हो सकता है सफर

पेरेंट बनने के बाद हर कपल खुशी से झूम उठता है। ये पल उनकी जिंदगी का सबसे अनमोल और यादगार होता है। लेकिन यह खुशी अपने साथ कई चुनौतियां भी लेकर आती है, जैसे- दिन-रात बच्चे की देखभाल करना, खुद के लिए वक्त न निकाल पाना, नींद की कमी, लगातार थकान और धीरे-धीरे कपल्स के बीच आपसी दूरी बढ़ना। ऐसी स्थिति में कई बार नए माता-पिता तनाव में आ जाते हैं और कभी-कभी तो छोटी-छोटी बातों पर उनममे झगड़े तक बढ़ जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए साइकोलॉजिस्ट और सबा फैमिली फाउंडेशन की फाउंडर डॉ. मलीनी सबा ने कुछ अहम टिप्स बताए हैं, जिनसे आप इस जर्नी को कुछ हद तक आसान बना सकते हैं।

स्लीप पर दें ध्यान: डॉ. मालिनी सबा कहती हैं कि नए पेरेंट्स की बच्चे के आने के बाद सबसे पहले जो चीज प्रभावित होती है, वह है स्लीप। इसलिए इस समस्या से निपटने के लिए पेरेंट्स कुछ उपाय अपना सकते हैं, जैसे-आपस में बेबी की ड्यूटी शेयर करें, ताकि दोनों को थोड़ा-थोड़ा आराम मिल सके। कपल्स चाहें तो दिन में भी बारी- बारी से छोटे-छोटे ब्रेक लेकर झपकी ले सकते हैं, जिससे दोनों को ही आराम मिलेगा।

कपल बस इस बात का ध्यान रखें कि खुद को या अपने पार्टनर को परफेक्ट होने के दबाव में न डालें। बस इस बात को याद रखिए, इस फेज का मकसद परफेक्ट पैरेंट बनना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे का साथ देते हुए प्यार और समझ के साथ इस सफर को जीना है। स्क्रीन टाइम लिमिट करें।

जब बच्चा आखिरकार सो जाता है, तो अक्सर कपल्स के हाथ में सबसे पहले फोन आ जाता है। थोड़ी देर रील्स देखने, पैरेंटिंग पेज स्क्रॉल करने या ऑनलाइन शॉपिंग करने का मन होने लगता है ताकि थोड़ी राहत मिले, लेकिन ये कुछ मिनट धीरे-धीरे घंटों में बदल जाते हैं। भले ही आपको फोन यूज करके सुकून लगे, लेकिन असल में वही आपकी नींद, आपका सुकून और पार्टनर के साथ बिताने वाला कीमती वक्त चुरा लेती है। इसीलिए सोने से आधा घंटा पहले फोन को दूर रख दीजिए। शुरुआत में थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन धीरे-धीरे ये खामोशी आपको सुकून देना शुरू कर देगी और आपको दोबारा खुद से और अपने पार्टनर से जुड़ने का मौका भी मिलेगा।

अजब - गज़ब

ऐसी मंडी जहां धूल से फूल तक सब बिकता है बेकार समझी जाने वाली पत्तियों के अच्छे दाम

भारत में लाखों मंडियां हैं। कहीं सब्जी मंडी है, कहीं फल मंडी है। कहीं सिर्फ इलैक्ट्रोनिक्स बिकते हैं तो कहीं कबाड़। आप जिस भी मंडी में चले जाइये, आपको लोगों की अच्छी खासी भी? नजर आ जाएगी। लेकिन आज हम एक अनोखी मंडी के बारे में आपको बताने जा रहे हैं। कहा जाता है कि इस मंडी में धूल से लेकर फूल तक- सब बिकता है। जिस आइटम को आप कचरा समझते हैं, उसके भी खरीददार यहां आपको मिल जाएंगे। ऐसे में ये किसानों की सबसे पसंदीदा मंडी है।

हम बात कर रहे हैं मध्यप्रदेश के नीमच की मंडी की। इस मंडी में आते ही आपकी हैरानी का ठिकाना नहीं रहेगा। इसमें बेकार समझी जाने वाली चीजों की भी अच्छी कीमत मिल जाती है। फिर चाहे वो नींबू के सूखे छिलके ही क्यों ना हो? इसके अलावा यहां लोग सूखे घास-फूस भी बेचेते हैं। सबसे हैरानी तो इस बात की है कि इनके लिए अच्छी-खासी कीमत भी चुकाई जाती है।

बोरियों में भरकर लाते हैं कचरा: इस मंडी में किसान कई तरह की चीजें बेचते नजर आ जाते हैं। यहां बोरियों में सूखे नीम की पत्तियां बिकती हैं। इसका मेडिकल वर्ल्ड में काफी इस्तेमाल होता है। आपके घर के आसपास नीम के कई पेड़ होंगे, इसके पत्ते यूं ही सुखकर फेंके जाते हैं। लेकिन इस मंडी में किसान इन पत्तों को भी बेच देते हैं। यहां ये पत्तियां एक हजार से तीन हजार प्रति क्विंटलबेचीं जाती हैं। इसके अलावा मोरिंगा की पत्तियां भी इस मंडी में खूब बिकती है। इसकी कीमत दस हजार प्रति क्विंटल तक चली जाती हैं।

इस मंडी में सूखे कढ़ी पत्ते भी खूब बिकते हैं। ये सात हजार प्रति क्विंटल तक बिकते हैं। मंडी में मेहंदी की पत्तियां भी खूब बिकती हैं। इसके दाम पत्तियों की क्वालिटी पर निर्भर करते हैं। अक्सर किसानों के खेत में खरपतवार की तरह भृंगराज उग जाता है। उसे भी इस मंडी में खरीदा जाता है। इसके अलावा नींबू के सूखे छिलके भी यहां बिकते हैं। इनका इस्तेमाल दवाइयों में किया जाता है। ऐसे में यहां से खरीदकर लोग इसका महंगे सामानों में इस्तेमाल करते हैं।

8 किलो गांजे के साथ दो गिरफ्तार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के शिवपुर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को 8 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि बरामद गांजा करीब 1.60 लाख रुपये के बाजार मूल्य का है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना प्रभारी विवेक यादव को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति ग्राम पगढाल के पास टिमरनी रोड की ओर किसी ग्राहक को गांजा देने जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान मनोज पिता शंकरलाल मेहरा निवासी ग्राम भांगिया और उपदेश उर्फ सूर्या पिता चंद्रभान परते निवासी ग्राम डोभी तालपुरा के कब्जे से कुल 8 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ। थाना प्रभारी विवेक यादव ने बताया कि पुलिस ने बरामद गांजे को सील कर साक्ष्य संग्रह कर लिया है तथा दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी की शिकायतें बढ़ी थीं, जिसके मद्देनजर पुलिस द्वारा निगरानी रखी जा रही थी।

वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक आयोजन

स्वतंत्रता आंदोलन की अलख जगाने वाला गीत है वंदे मातरम्: उमाकांत

हाथों में तिरंगा थामे नजर आए छात्र-छात्राएं

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ब्लॉक स्तरीय सामूहिक वंदे मातरम गीत का भव्य आयोजन किया गया। देश भक्ति की भावना के साथ हाथों में तिरंगा थामे नगर के निजी एवं शासकीय विद्यालय के छात्र छात्राओं,प्रशासनिक अधिकारियों एवं नागरिकों की मौजूदगी में सांदीपनि स्कूल के मैदान पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक उमाकांत शर्मा भी शामिल हुए। मंचीय कार्यक्रम के दौरान सरस्वती शिशु मंदिर की एक दर्जन छात्राओं के साथ उपस्थित नागरिकों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् राष्ट्रीय गीत का सामूहिक रूप से गायन किया। इस दौरान छात्र छात्राओं के बीच बैठे विधायक उमाकांत शर्मा राष्ट्र भक्ति की भावना से सभी का उत्साहवर्धन करते रहे। इसके पूर्व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंचीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत विधायक उमाकांत शर्मा ने उपस्थित नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं छात्र छात्राओं को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग एवं भारत देश को आत्म निर्भर बनाने का संकल्प दिलाया।

वंदे मातरम गीत गायन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम गीत लिखकर आजादी की संग्राम में जनचेतना की अलख जगाई थी।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150 वी वर्षगांठ को देशभर में सम्मान और उत्साह के साथ मनाने का निर्णय भारत सरकार ने लिया है। जिससे आज की नौजवान पीढ़ी स्वतंत्रता आंदोलन की जीत की भूमिका एवं इसकी स्थाई सांस्कृतिक विरासत के महत्व से रूबरू हो सके। आज का यह आयोजन केवल गीत का उत्सव ही नहीं बल्कि भारत माता के प्रति समर्पण,श्रद्धा और बलिदान की भावना का स्मरण भी है। 1905 में जिस समय बंगाल का विभाजन हुआ था तब लाल बाल पाल ने इस गीत के माध्यम से ही बंग भंग आंदोलन खड़ा किया था। विधायक शर्मा ने उस दौर के उन मुस्लिम नेताओं,क्रांतिकारियों के नामों का भी उल्लेख किया जिन्होंने वंदे मातरम गीत को स्वतंत्रता की लड़ाई का हथियार बनाया था। कार्यक्रम आयोजन के संदर्भ में भूमिका वक्तव्य एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा,संचालन सतीश श्रीवास्तव एवं आभार बीईओ उमेश सोनी ने व्यक्त किया। आयोजन के समापन पर उपस्थित जनसमुदाय ने हाल ही में दिल्ली में हुए आतंकी हमले के बम विस्फोट में मृत हुए नागरिकों को दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,जनपद अध्यक्ष पुष्पा हमीर सिंह यादव,जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाव सिंह कुर्मी, नपा उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, भाजपा संगठन की प्रदेश पदाधिकारी श्वेता आनंद त्यागी,मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह,अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष मुनीम गौरी, एसडीओपी सोनू डावर,तहसीलदार संजय चौरसिया, जनपद सीईओ आशीष अग्रवाल,सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य महेश ताम्रकार सहित जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी एवं नागरिकगण मौजूद रहे।

वार्षिक विशेष शिविर का शुभारंभ

गंजबासौदा। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय वार्षिक विशेष शिविर ग्राम गंज में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में नीतू रघुवंशी जनपद अध्यक्ष विशेष अतिथि मनोज दुबे टीआई देहात थाना, विशेष अतिथि एमसी शर्मा प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय, प्रदीप चौरसिया द्वारा मंच से फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया विशेष अतिथि माया सतीश दुबे सरपंच ग्राम गंज, नवनीता प्रधानाचार्य शासकीय माध्यमिक शाला गंज तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। सरस्वती वंदना सरस्वती पूजन तथा अतिथियों के स्वागत के पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां स्वयंसेवकों द्वारा दी गई। स्वयंसेविका नैना पांडे द्वारा गणेश वंदना तथा हर्षिता प्रजापति, आराधना, भारती यादव, प्रशांत साहू, शिव मीणा द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। मुख्य अतिथि नीतू रघुवंशी द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा गया की किस प्रकार विद्यार्थी समाज सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं मुख्य अतिथि मनोज दुबे थाना प्रभारी देहात द्वारा बताया गया कि विद्यार्थी न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में भी अपनी उत्कृष्ट भूमिका निभाते हैं तथा किस प्रकार जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता नशा मुक्ति डिजिटल साक्षरता आदि विषयों पर मुख्य भूमिका निभाते हैं अतिथियों द्वारा शिविर दर्पण का विमोचन किया गया। ग्राम मैं नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक सचिन अहिरवार को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया। कैंप कमांडर अमित विश्वकर्मा को उनके कार्यों की सराहना करते हुए पुरस्कृत किया गया। शिविर का संचालन कार्यक्रम अधिकारी दिनेश कुमार ओझा के नेतृत्व में किया गया तथा अंत में आभार महिला कार्यक्रम अधिकार भारती पंथी द्वारा किया गया।

जल क्रीड़ा और खेलों का लिया आनंद

मंडीदीप। गिरधर समूह संस्थान एवं गिरधर पब्लिक स्कूल द्वारा बच्चों के लिए मनोरंजन एवं सीख से भरपूर पिकनिक का सफल आयोजन किया गया। बच्चों को Four Lakes Water Park ले जाया गया, जहां उन्होंने पूरे दिन रोमांचक गतिविधियों, जल क्रीड़ाओं और खेलों का भरपूर आनंद लिया। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखकर पूरे आयोजन की सफलता साफ झलक रही थी। इस यादगार पिकनिक को सफल बनाने में सहयोग देने वाले अध्यक्ष रघुनाथ पाटीदार, उपाध्यक्ष मनोज पाटीदार, सचिव अरविंद पाटीदार, प्रबंध संचालक नीलेश पाण्डेय, सरिता हजारे सहित शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों एवं अभिभावक शामिल रहे। आप सभी के संयुक्त प्रयासों से यह दिन बच्चों के लिए अविस्मरणीय बन गया।

नपा की जनसुनवाई में बताईं समस्याएं, पात्र हितग्राही को मिली राशि

वार्ड 23 में झाड़ियां हटाने तत्काल भेजी जेसीबी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका कार्यालय में प्रति गुरूवार को होने वाली जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का तुरंत समाधान किया जा रहा है। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा की गई जनसुनवाई के दौरान छोटी बड़ी समस्याओं के करीब 10-12 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका संतुष्टिपूर्ण समाधान किया गया। वार्ड 23 मारूति नगर की महिलाओं के आवेदन पर तत्काल सुनवाई करते हुए वार्ड से झाड़ियां हटाने के लिए जेसीबी भिजवाई गई। जनसुनवाई में उपयंत्री अंबक पाराशर, दीक्षा तिवारी, रीना गुप्ता,

स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी सहित नपा के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती पटले के निर्देश पर जनसुनवाई की शुरू की गई है जिसका आम नागरिकों को सीधा लाभ मिल रहा है। आज नारायण नगर निवासी तुलसीराम केवट के परिजन अयोध्या प्रसाद के निधन पर उनके द्वारा अंत्येष्टि सहायता राशि की मांग की गई। जांच उपरांत तत्काल उनकी राशि स्वीकृत की गई। इसी तरह वार्ड क्रमांक 26 की एक दर्जन से अधिक महिलाएं जनसुनवाई में पहुंची जिन्होंने बताया कि मारूति नगर स्थित आसपास के क्षेत्र में बेहद झाड़ियां हो गईं जिसमें जहरीले जीव जंतु रहते हैं। उनकी शिकायत पर नपाध्यक्ष श्रीमती यादव एवं सीएमओ श्रीमती पटले द्वारा स्वच्छता निरीक्षक को निर्देशित कर तत्काल जेसीबी पहुंचाकर झांड़िया हटवाई गईं। त्वरित कार्रवाई करने पर समस्त महिलाओं द्वारा नपाध्यक्ष और सीएमओ को धन्यवाद दिया गया।

केसला के 33 आदि सेवा केंद्रों पर हुई जनसुनवाई

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जननायक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के समापन वर्ष के अंतर्गत धरती आबा अभियान के तहत नर्मदापुरम के आदिवासी ब्लॉक केसला के सभी 33 आदि सेवा केंद्रों पर व्यापक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। यह अभियान आदि कर्मयोगी कार्यक्रम के विस्तार स्वरूप 17 सितंबर से प्रारंभ हुआ है, जिसका उद्देश्य विजन 2030 के अनुरूप ग्राम विकास की दिशा में ठोस कदम उठाना है। जनपद पंचायत सीईओ सुमन खातरकर ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत ग्राम विजन प्लान तैयार किए गए, जिनमें संसाधन मानचित्र और भौगोलिक मानचित्र बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों के मौजूदा संसाधनों और आवश्यकताओं का वास्तविक आकलन किया गया। जनसुनवाई का

उद्देश्य ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराना और उनकी मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए सीधा संवाद स्थापित करना रहा। बताया गया है कि जनसुनवाई के दौरान लगभग 400 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें प्रमुख रूप से आवास, पेयजल, सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सेवा, खेल मैदान निर्माण, विद्युत व्यवस्था तथा आधार सुधार से संबंधित शिकायतें और सुझाव शामिल रहे। मॉडल ग्राम ताकू में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी निलेश कुमार शर्मा, जनपद पंचायत सीईओ सुमन खातरकर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी आशा मौर्य, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी योगेश घाघरे, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. सीमा जैन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से अभियंता आर.के. पटले, नोडल अधिकारी सुजीत मिश्रा, शक्ति राजपूत सहित सभी आदि साथी एवं आदि सहयोगी उपस्थित रहे। इटारसी अनुविभागीय अधिकारी निलेश कुमार शर्मा ने बताया किधरती आबा अभियान के इस जनसुनवाई आयोजन ने ग्रामीणों और प्रशासन के बीच संवाद को सशक्त बनाया है जनसुनवाई में हितग्राहियों की सभी समस्याएँ सुनी है समस्याओ का प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जायेगा।

नर्मदा परिक्रमा पथ पर पौधरोपण कार्य की प्रगति समीक्षा कर तारफ्रेंसिंग के दिए निर्देश

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने दिए निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में शासन की जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर जमीनी स्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही है। इसी कड़ी में जिला पंचायत नर्मदापुरम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन ने नर्मदा परिक्रमा पथ पर मनरेगा अंतर्गत किए जा रहे पौधरोपण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन ग्राम पंचायतों को विशेष रूप से चर्चा में लिया गया, जहां भूमि आबंटन, अतिक्रमण या अन्य कारणों से कार्य की गति धीमी थी। सीईओ ने संबंधित पटवारियों और सचिवों को समक्ष में

सुनते हुए निर्देश दिए कि परिक्रमा पथ पर अनिवार्य रूप से पौधरोपण कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह पौधरोपण परिक्रमा वासियों के हित में है, जिससे उन्हें यात्रा के दौरान छायादार और फलदार वृक्षों का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जहां अतिक्रमण है, वहां उसे एक सप्ताह के भीतर हटाकर स्थल पर तार फेंसिंग का कार्य प्रारंभ किया जाए। साथ ही, आगामी सप्ताह में कार्य की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। सीईओ श्री जैन ने सभी पटवारियों से राजस्व नक्शों एवं ऑनलाइन पोर्टल पर खसरों को प्रदर्शित करवा कर स्थलों की स्थिति की विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की।

मेट्रो एंकर ग्राम हथौड़ा में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के तहत हो रहीं खेल प्रतियोगिताएं

खेलकूद के साथ युवा योग भी करें : विधायक हरिसिंह

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ विगत कुछ दिन पूर्व स्थानीय संजय गांधी महाविद्यालय में क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी की उपस्थिति में हुआ था। तभी से सांसद खेल महोत्सव में नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में खेल अनेक प्रतियोगिताएं संचालित हो रही हैं। भाजपा ग्रामीण मंडल के तत्वाधान में ग्राम हथौड़ा में सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत कुर्सी दौड़, चम्मच रेस, क्रिकेट सहित अनेक प्रतियोगिताएं संचालित हुई है।

खेलों के भव्य आयोजन में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए प्रमुख रूप से क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र रघुवंशी,भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष

लाखन सिंह रघुवंशी, ग्राम पंचायत हथौड़ा के सरपंच नवल सिंह रघुवंशी, राजेंद्र सिंह दांगी सरपंच कंजना, राजू रघुवंशी, अशोक राय सरपंच ग्राम पंचायत घटेरा, बीईओ, बीआरसी सहित अनेक जन उपस्थित रहे। खेल प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को सासंद खेल महोत्सव के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने उपस्थित जनों व खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद खेल महोत्सव का आयोजन करने के पीछे केवल और केवल एक मात्र उद्देश्य यह ही है कि जब खेलेगा युवा तभी तो स्वस्थ्य रहेगा युवा। रघुवंशी ने कहा कि युवा वर्ग खेल कूद के साथ साथ योग भी करें जिससे शरीर स्वस्थ व मजबूत रहेगा और जब हम स्वस्थ्य रहेंगे तो निश्चित ही हमारा गांव, शहर, प्रदेश व देश स्वस्थ रहेगा। इसी परिकल्पना के पुनीत उद्देश्य से सारे देश में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह जी चौहान संपूर्ण देश में सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं।

एएसपी ने देर रात रेलवे स्टेशन सहित शहर का किया निरीक्षण

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में निरंतर निरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विदिशा डॉ प्रशांत चौबे द्वारा देर रात थाना बासौदा शहर रात्रिकालीन निरीक्षण किया तथा आपातकालीन स्थिति को ध्यान में रखते हुए थाने से रेलवे स्टेशन तक पैदल भ्रमण किया गया। इस दौरान चौराहों एवं प्रमुख स्थलों पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की गई तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि वे सदैव अलर्ट मोड़ पर रहकर आने-जाने वाले वाहनों एवं व्यक्तियों की सतर्कता से जांच करें और यह सुनिश्चित करें कि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी कहा

कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जाए, जिससे थाना क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी शिखा भलावी, थाना प्रभारी बासौदा शहर निरीक्षक संजय वेदिया एवं थाना स्टाफ उपस्थित रहा।

प्रदेश में सरकार की सैटेलाइट निगरानी प्रणाली बेअसर

महेश्वर में पहाड़ों से अवैध मुरम खनन का कारोबार जारी

मनोज गौड। महेश्वर

एक ओर मां नर्मदा के आंचल को अवैध रेत उत्खनन से छलनी किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर महेश्वर क्षेत्र में अब पहाड़ों और जमीन से अवैध मुरम निकाले जाने का मामला भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र के एक रसूखदार व्यक्ति द्वारा पहाड़ियों को काटकर मुरम निकाली जा रही है, जिसका उपयोग सड़क निर्माण मकान निर्माण कार्यों में किया जा रहा है। यह अवैध मुरूम खनन का सारा खेल खुलेआम चल रहा है, जबकि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

संवाददाता द्वारा पड़ताल करने पर ग्रामीणों ने बताया कि प्रतिदिन ट्रैक्टर और डंपर की आवाजाही होती है, जिससे आसपास के इलाकों में धूल और प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचते। लोगों का कहना है कि यह पूरा कारोबार अधिकारियों की शह पर चल रहा है। लगातार हो रहे अवैध रेत और मुरूम खनन से पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है और पहाड़ों का प्राकृतिक स्वरूप धीरे-धीरे मिटता जा रहा है। इसी बीच, मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेशभर में बढ़ते अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने सैटेलाइट आधारित खनन निगरानी प्रणाली लॉन्च की है। इस नई तकनीक के तहत प्रदेश की सभी खदानों को जियो-टैग किया गया है, जिससे किसी भी अवैध उत्खनन की जानकारी तुरंत प्रशासन तक पहुंचेगी। सरकार ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे इस प्रणाली को तुरंत लागू करें और अवैध खनन पाए जाने पर कठोर कार्रवाई करें। यह प्रणाली 24 घंटे खदानों की निगरानी करेगी और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट तुरंत संबंधित विभाग को भेजेगी।

तकनीकी निगरानी के साथ जमीनी कार्रवाई भी जरूरी

सरकार का यह निर्णय खनन माफियाओं के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। लेकिन इन अवैध उत्खनन कर्ताओं के सामने यह प्रणाली भी बेअसर नजर आ रही है। हालांकि महेश्वर जैसे इलाकों में अभी भी मुरम और रेत का अवैध उत्खनन जारी है, जिससे साफ है कि तकनीकी निगरानी के साथ जमीनी कार्रवाई भी जरूरी है। अब देखना होगा कि सैटेलाइट सिस्टम की इस पहल के बाद क्या वास्तव में प्रशासन सख्त रुख अपनाता है या फिर महेश्वर में चल रहा यह खनन माफिया का साम्राज्य यूं ही बरकरार रहेगा।

पंद्रह स्कूलों में संख्या दस से कम, साल दर साल घट रही संख्या

स्कूलों में ताला... ब्लॉक के तीन प्राथमिक स्कूलों में छात्र संख्या शून्य, डल गया ताला

सागर/बीना। दोपहर मेट्रो

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों की स्थिति साल दर साल दयनीय होती जा रही है। शासकीय स्कूलों में अभिभावक बच्चों को प्रवेश नहीं दिला रहे हैं, जिससे तीन स्कूलों की दर्ज संख्या शून्य होने पर ताला डल चुका है और पंद्रह स्कूल ऐसे हैं, जो आने वाले सालों में बंद हो जाएंगे। क्योंकि इनमें कुछ स्कूल ऐसे हैं, जिनकी दर्ज संख्या दो है।

जनपद शिक्षा केन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार ब्लॉक में शासकीय प्राथमिक 110 और माध्यमिक स्कूल 70 हैं, जिनमें 15 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें दर्ज संख्या दस से कम है। उमरिया, रसीलपुर और सनाई पिपरिया प्राथमिक स्कूल में दर्ज संख्या 0 होने से ताला डल चुका है और यहां पदस्थत शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में भेज दिया गया है। साल दर साल घट रही स्कूलों की संख्या घटने से यह स्थिति निर्मित हो रही है और आने वाले दिनों में इन स्कूलों में भी ताला डल सकता है। इसके बाद भी उपस्थिति बढ़ाने को लेकर कोई प्रयास नहीं हो रहे हैं। प्रवेश दिलाने के नाम पर अभियान तो चलाए जाते हैं, लेकिन यह सिर्फ कागजों तक सीमित रहते हैं।

शिक्षकों की मनमानी भारी

ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ शिक्षक मनमर्जी से स्कूल पहुंचते हैं और अध्यापन कार्य भी ठीक से नहीं कराते हैं, जिससे बच्चों के भविष्य को देखते हुए अभिभावकों ने निजी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया है। इ-अटेंडेंस को लेकर भी लापरवाही बरतने वाले शिक्षक गंभीर नहीं हैं। बच्चों को शासन की मध्याह्न भोजन योजना, गणवेश, साइकिल आदि योजनाएं भी लुभा नहीं पा रही हैं।

सुविधाओं का भी अभाव

शासकीय स्कूलों में अच्छे भवन, खेल मैदान आदि मूलभूत सुविधाओं की कमी होने के कारण भी दर्ज संख्या कम हो रही है। जर्जर भवनों में हादसों का डर रहता है। शौचालयों में गंदगी पसरी रहती है। मूलभूत सुविधाओं बढ़ाई जाएं, तो इससे भी स्कूलों की संख्या पर असर दिखेगा।

फैक्ट फाइल

स्कूल	दर्ज संख्या
पीएस उमरिया	0
रसीलपुर	0
सनाई पिपरिया	0
भोजपुर	2
हरिजनटोला निवोदा	10
कचनौदा	9
केथनी	5
रुपउ	2
बलारखेड़ी	5
खितोसा	2
मुरयाना	4
सोनचर	9
तजपुरा	2
बरौदिया एरन	2
कजरई	6
मूडरी	6
साथनी	9
एमएस जुगपुरा	9

जिला कार्यालय भेजी है जानकारी

कम दर्ज संख्या वाले बच्चों की जानकारी जिला कार्यालय भेजी गई है। आगे की कार्रवाई को लेकर निर्णय अधिकारियों द्वारा लिया जाएगा।

महेन्द्र सिंह, बीआरसीसी, बीना

डैम के गेट अब तक नहीं हुए बंद

तेंदूखेड़ा। गौरैया नदी पर बना स्टॉप डैम के गेट अब तक बंद नहीं किए गए हैं, जबकि इस संबंध में कलेक्टर द्वारा आदेश जारी हुए लगभग एक माह बीत चुका है। गेट बंद न होने से क्षेत्र में जलस्तर पर्याप्त रूप से नहीं बढ़ पा रहा है, जिसके कारण सिंचाई और पेयजल दोनों ही जरूरतों पर प्रभाव पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों और किसानों ने इस विषय पर कई बार शिकायतें की हैं तथा शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, स्टॉप डैम का उद्देश्य क्षेत्र में जलसंवर्धन और भू-जल स्तर को सुधारना था, किंतु जिम्मेदार विभाग द्वारा समय पर कार्य न किए जाने से योजना का लाभ जनता तक नहीं पहुँच पा रहा है। नगरवासियों का कहना है कि यदि जल्द ही गेट बंद नहीं किए गए तो रबी फसल की सिंचाई पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि तत्काल तकनीकी अमले को भेजकर गेट बंद करवाए जाएं।

बच्चों को दी अधिकारों की जानकारी

तेंदूखेड़ा। विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय बालक माध्यमिक शाला तेंदूखेड़ा में न्यायोत्सव विधिक जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिविल न्यायालय तेंदूखेड़ा के न्यायाधीश पूजित कमल ने विद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में न्यायाधीश पूजित कमल ने न्यायालय की भूमिका, विधिक धाराओं एवं भारतीय संविधान की मूलभूत विशेषताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि संविधान हमारे देश का जीवंत ग्रंथ है, जो प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति का अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि संविधान हमारे देश की एकता और अखंडता की नींव है, जो हर धर्म, जाति और वर्ग के लोगों को समान अवसर देता है। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए समय-समय पर वृक्षारोपण करना और विद्यालय परिसर में लगे वृक्षों की देखभाल करना हर विद्यार्थी का कर्तव्य होना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधान अध्यापक तेजी सिंह ठाकुर, भारत साहू, शैलेंद्र यादव एवं अतिथि शिक्षिका मानसी सोनी सहित समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय स्टाफ द्वारा किया गया तथा अंत में प्रधान अध्यापक ठाकुर ने न्यायाधीश पूजित कमल का आभार व्यक्त किया।

नगर में नर्मदा जल की सप्लाई प्रारंभ लोगों ने की स्थाई समाधान की मांग

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में पिछले छः दिनों से बाधित नर्मदा जल आपूर्ति अब पुनः शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार, पाटन के समीप मुख्य नर्मदा पाइप लाइन में लीकेज होने के कारण नगर में जलापूर्ति प्रभावित रही थी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद नगर में नर्मदा जल की सप्लाई दोबारा सुचारू रूप से प्रारंभ कर दी गई है।

जब से नर्मदा लाइन की सप्लाई नगर में हुई है तब से पानी की वजह से भी बजह से नगर वासियों को परेशान रहना पड़ता है क्योंकि नर्मदा लाइन की शुरू होते ही नगर परिषद ने अपनी लाइनों को अधिकांश वार्डो में बंद कर दिया जिसके कारण लगभग 2 सालों में मोटरे पाइप लाइन चोरी की घटनाएं घटित हो गई जिसके कारण जब नर्मदा लाइन बंद रहती है तो नगर वासियों पुरानी लाइन से पानी देने में दिक्कत खड़ी हो जाती है। अगर बासिया ने स्थाई समाधान के लिए पुरानी लाइनों को व्यवस्थित करने की एक बड़ी मांग उठा दी है उनका कहना है कि नर्मदा लाइन नगर में फ्लॉप हो चुकी है 24 घंटे पानी देने की योजना 48 घंटे में एक बार पानी उपलब्ध करा रही है। वह भी 1 घंटे के लिए उसके बावजूद प्रत्येक सप्ताह 15 दिनों में जब देखो लाइन में फूट-फूट लीकेज की समस्या शुरू से आ रही है ऐसी स्थिति में पुरानी लाइनों का संचालन दुरुस्त रहे इसके प्रयास फिर से किए जाने चाहिए नगरवासियों ने जलापूर्ति पुनः शुरू होने पर राहत की सांस ली है, वहीं उन्होंने यह भी मांग की है कि नगर परिषद भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा उत्पन्न न हो, इसके लिए स्थायी समाधान निकाले। नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद अपनी पूर्व की पुरानी जल आपूर्ति लाइनों को भी दुरुस्त एवं सुचारू रूप से संचालित रखे, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में पानी की किल्लत न हो।

विभाग ने वनकटाई की स्वीकृति आने के बाद आपूर्ति का दिया आश्वासन

तेंदूखेड़ा काष्ठागार डिपो में नहीं बची अंतिम संस्कार के लिए जलाऊ लकड़ी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में अंतिम संस्कार के लिए जलाऊ लकड़ी की भारी कमी ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नगर से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित वन विभाग के डिपो में इन दिनों जलाऊ लकड़ी का स्टॉक पूरी तरह खत्म हो गया है।

बहौरी डिपो से ही नगरपरिषद के श्मशान घाटों पर उपयोग होने वाली लकड़ी की आपूर्ति की जाती है, लेकिन अब वहां खाली पड़ी जगहें इस अभाव की गवाही दे रही हैं स्थानीय नागरिकों के अनुसार अंतिम संस्कार के लिए लोग नियमित रूप से डिपो से निर्धारित दर पर लकड़ी की रसीद कटवाकर लकड़ी प्राप्त करते हैं। बीते कुछ दिनों से लकड़ी उपलब्ध न होने के कारण शोकाकुल परिवारों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोग आसपास के गांवों या निजी विक्रेताओं से ऊंचे दामों पर लकड़ी खरीदने को मजबूर हैं नगरवासी विनोद कुमार सरैया ने बताया कि मंगलवार को बहोरी डिपो में जलो लकड़ी का स्टॉक खत्म हो गया है जिससे लोगों के लिए डिपो से लकड़ी न मिलने के कारण हमें दूर के इलाकों से लकड़ी मंगवानी पड़ रही है, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी हो रही है। इसी तरह पंडित रमेश तिवारी, पंडित ओंकार मिश्रा ,डॉक्टर जितेंद्र भदोरिया, कमल नारायण यादव, मयंक ठाकुर ने भी वनविभाग से शीघ्र समाधान की मांग की है। काष्ठागार बहौरी डिपो प्रभारी महेंद्र खरे ने बताया कि जलाऊ लकड़ी का नया स्टॉक मंगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इस संबंध में गुरुवार को मेरे द्वारा वनपरिक्षेत्र कार्यालय लिखित में जानकारी दी गई है।

जमीन पर खूनी संघर्ष, पिता-भांजे की मौत

अशोकनगर। चार बीघा जमीन के विवाद में हुए खूनी संघर्ष में पिता व भांजे की मौत के बाद गंभीर घायल पुत्र ने भी दम तोड़ दिया। इससे गांव में सनसनी का माहौल है, पिता-पुत्र की अलग-अलग समय पर अर्थी निकाली गई और अंतिम संस्कार में रिश्तेदार व ग्रामीण तो दूर बात परिवार के लोग भी शामिल नहीं हुए। ऐसे में पुलिस ने गांव के कुछ लोगों को बुलाकर अंतिम संस्कार करवाया। मामला अशोकनगर के कचनार थाना क्षेत्र के करैया बनेट गांव का है। जहां खिलनसिंह यादव के हिस्से की चार बीघा जमीन के विवाद में उसके दोनों पुत्र राजमहेंद्र व कृष्णभान यादव में बुधवार को खेत पर खूनी संघर्ष हो गया था। जिसमें पिता खिलनसिंह यादव व भांजे महुआखेड़ा निवासी पवन यादव की मौत हो गई थी। गंभीर घायल कृष्णभान यादव की भी इलाज के लिए भोपाल पहुंचने से पहले मौत हो गई। इस खूनी संघर्ष में अब तक तीन लोगों की मौत हो गई है। कृष्णभान की पुत्री राधिका यादव की शिकायत पर पुलिस ने राजमहेंद्र यादव, धर्मवीर, राजवीर व खिलनसिंह यादव और राजमहेंद्र यादव की शिकायत पर कृष्णभान यादव, महुआखेड़ा निवासी पवन यादव महुआखेड़ा, नाऊखेड़ा निवासी छुट्टा यादव व कल्ला यादव के खिलाफ हत्या व हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया। वहीं घायलों के पास जिला अस्पताल में पुलिस तैनात है।

मेट्रो एंकर

दो चरणों में होगी बाघों की गणना, 15 नवंबर से शुरू होगा काम

लगाए जाएंगे 1100 ट्रैप कैमरे, गणना के साथ बाघों का कॉरिडोर, आवास की गुणवत्ता भी देखेंगे

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा!-

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में वर्ष 2026 की बाघ गणना का काम कल शनिवार 15 नवंबर से ही शुरू होने वाला है। टाइगर रिजर्व बनने के बाद वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में पहली बार बाघों की गणना की जाएगी। इस बार ये गणना पूरी तरह पेपरलेस होगी। सामान्य वन क्षेत्रों में लगातार बढ़ी बाघ गतिविधियों के कारण इस बार बाघ मित्र और ग्राम वन समितियों को भी शामिल किया गया है।

पहली बार बाघों के साथ तेंदुआ, जंगली हाथी, भारतीय बायसन (गौर) और अन्य बड़े मांसाहारी जीवों की गिनती भी होगी। इसके लिए 1100 ट्रैप कैमरे लगाए जाएंगे टाइगर रिजर्व प्रबंधन के अनुसार 1100 वर्ग किलोमीटर में गणना के लिए 550 ग्रिड बन रही हैं। एक ग्रिड 2 वर्ग किलोमीटर की होती है, एक ग्रिड में 2 कैमरे लगाए जाएंगे। कैमरा ट्रैपिंग के लिए दो ब्लॉक बनाए हैं। 15 नवंबर से 15 दिसंबर तक 300 ग्रिड में काम होगा। इसमें मोहली, झापन, सिंहपुर और कुछ हिस्सा नौरादेही का शामिल किया जाएगा। 15 दिसंबर से 15 जनवरी तक दूसरे ब्लॉक के 250 ग्रिड में काम होगा। इसमें डोंगरगांव, सर्रा और बाकी बचा नौरादेही का हिस्सा शामिल करेंगे, इसमें 500 ट्रैप कैमरे लगाए जाएंगे। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) की पहली आधुनिक कैमरा ट्रैप आधारित गणना वर्ष 2006 में हुई थी। इसके बाद हर 4 साल में बाघों की गणना की जाती है। वन विभाग के अनुसार 2014 में प्रदेश में 308 बाघ थे, जो 2022 में बढ़कर 785 हो गए। प्रदेश की बाघ वृद्धि दर 12.12 फीसदी रही, जो राष्ट्रीय औसत 6-7 फीसदी से लगभग दोगुनी है। वन विभाग के अधिकारियों का अनुमान है कि इस बार संख्या 1000 से अधिक होगी

विस्थापन के कारण 200 किमी एरिया में नहीं होगी गणना

टाइगर रिजर्व में कई बड़े गांव जैसे मुहली, झापन का विस्थापन नहीं हुआ है। यह गांव करीब 200 किमी का कोर एरिया प्रभावित करते हैं। जिसके चलते रिजर्व प्रबंधन यहां कैमरे नहीं लगा पाया है। रिजर्व के सूत्रों के अनुसार छूट गए इन इलाकों में टाईगर का मूवमेंट प्राय :कम रहता है इसके गणना के परिणाम प्रभावित नहीं होंगे। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के उप संचालक डॉ. एए अंसारी ने बताया कि ट्रैप कैमरे चोरी या क्षतिग्रस्त न हों, उनसे सही डेटा कलेक्शन हो, इसके लिए करीब 200 कर्मचारी फील्ड पर रहेंगे। टाइगर रिजर्व बनने के बाद यह पहली गणना है। अभी बाघों की अनुमानित संख्या 26 है

सब स्टेशन तैयार, 10-12 घंटे मिलेगी बिजली

छतरपुर। जिले के ग्रामीण अंचलों में लंबे समय से बिजली की समस्या किसानों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई थी, लेकिन अब स्थिति में सुधार होने लगा है। खजुराहो डिवीजन में गौरिहार और बमीठा क्षेत्र के ग्रामीणों को बिजली की सुगम आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 5 हजार केवीए क्षमता के दो नए विद्युत सब स्टेशन बनकर तैयार हो गए हैं। गौरिहार क्षेत्र के पहरा गांव में बने सब स्टेशन से लगभग 2700 किसानों को और बमीठा क्षेत्र के रनगुवां गांव में बने सब स्टेशन से 3500 किसानों को विद्युत आपूर्ति में राहत मिल रही है। इन दोनों सब स्टेशनों के शुरु होने से अब ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की कमी, कम वोल्टेज और बार-बार फाल्ट की समस्या काफी हद तक समाप्त हो गई है। इससे किसानों को सिंचाई में सुविधा मिली है और ट्रांसफॉर्मरों पर पड़ने वाला अतिरिक्त लोड भी कम हुआ है। छोटे और बड़े किसानों का कहना है कि पहले सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के कारण खेतों में पानी पहुंचाने में समस्या आती थी, लेकिन अब दोनों नए सब स्टेशनों के संचालन से किसानों के खेतों में पानी की आपूर्ति सुचारू रूप से हो रही है और कृषि कार्य में गति आई है। इस परियोजना से यह भी सुनिश्चित हुआ है कि ट्रांसफॉर्मरों पर अतिरिक्त लोड न पड़े और बिजली आपूर्ति स्थिर बनी रहे। इन सब स्टेशनों के निर्माण के बाद खजुराहो डिवीजन के ग्रामीण अंचलों में बिजली आपूर्ति की स्थिति में सुधार हुआ है।

टीम इंडिया का मिशन 'टेस्ट'

टी 20 वर्ल्ड कप और उसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी विजेता जीतने के बाद टीम इंडिया अब टेस्ट मिशन पर है।2019 से शुरू हुई वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के चौथे संस्करण में भारतीय टीम घरेलू मैदान पर पिछले सत्र में मिले जख्मों को भूल कर अपनी पुरानी साख हासिल करने के इरादे से साउथ अफ्रीका से भिड़ेगा।दरअसल शुरुआती दो टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने वाली टीम इंडिया को पहली बार टेस्ट चैंपियनशिप के निर्णायक मुकाबले में नहीं होने की वजह घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड से मिली करारी शिकस्त रही थी।भले ही टीम इंडिया के पास उसके बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे में बड़ा कारनामा कर 2023-25 चैंपियनशिप के फाइनल सपने की आस थी,लेकिन वह इतना बड़ा उलटफेर करने में नाकाम रही और उसके बाद ही रो..को..के टेस्ट अभियान पर विराम लगा।गौरतलब है कि टीम इंडिया के रोहित और कोहली जैसे दो दिग्गजों ने उसके बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया।वैसे तो पिछले 3 दशकों से ऐसा माना जाता है कि टेस्ट फॉर्मेट में भारतीय क्रिकेट टीम को उसके घरेलू मैदान पर हराना किसी भी टीम के लिए सबसे कठिन चुनौती रहती है,लेकिन जब न्यूजीलैंड टीम ने टीम इंडिया का सूपड़ा 3-0 से साफ किया तो फिर सभी टीमों के लिए उम्मीद की किरण जाग गयी है। ऐसी ही कुछ आस लेकर इस बार मौजूदा टेस्ट चैंपियन साउथ अफ्रीका भारत के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों में उतरेगी।दोनों टीमों के बीच इन मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज से ईडन गार्डन में खेला जाएगा।भले ही सीरीज की तगड़ी दावेदार टीम इंडिया के सामने वर्ल्ड चैंपियन का पहलू कमजोर हो,लेकिन जिस तरह से साउथ अफ्रीका की ए टीम ने भारत ए को हराया है,उसके बाद टेस्ट सीरीज का रोमांच और अफ्रीकी टीम की आस बढ़ गयी है,लेकिन यह उलटफेर करना उसके लिए आसान नहीं रहने वाला है। भले ही मेहमान टीम के उम्मीद की वजह यह है कि टीम इंडिया की इस टीम में पंत,सिराज,कुलदीप,प्रसिद्व कृष्णा और आकाशदीप शामिल थे,लेकिन सच तो यह है कि अफ्रीकी टीम को जिन पिचों पर भारतीय टीम से खेलना है वह अलग अंदाज की होंगी जिस पर टीम इंडिया के फिरकी जाल से बचना उसके लिए मुश्किल भरा रहने वाला है। भले ही ऐसा माना जाता है कि भारतीय मैदानों पर टॉस का किरदार अहम होता है,लेकिन सच तो यह है कि टॉस की भूमिका निर्णायक तभी साबित होती है जब कोई भी टेस्ट अपने आखिरी दिन तक चलता है।मतलब साफ है कि टॉस मी जीत हो या फिर हार मैच का रुख पहली पारी की बड़ी बढ़त ही तय कर देती है,क्योंकि ज्यादातर टेस्ट अब 4 दिनों के भीतर ही खत्म हो जाते है।कई दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ियों द्वारा टेस्ट मैचों की अवधि 4 दिन करने की असल वजह भी भारतीय सरजमीं पर होने वाले टेस्ट मैच कहे जा सकते हैं।मेरे नजरिये में 2 टेस्ट मैचों की इस सीरीज का सबसे दिलचस्प पहलू यही रहने वाला है कि दोनों टेस्ट मैचों के फैसला कितने समयकाल में होता है।कोई भी टेस्ट पूरे 5 दिन चलेगा या नहीं, मेरे लिए सबसे बड़ा सवाल यही है।वैसे भी साउथ अफ्रीका टीम इस समय हर फ़ॉर्मेट में जबरदस्त क्रिकेट खेल रही है।वर्तमान वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियन भी है आत्मविश्वास भी आसमान पर है,लेकिन टीम इंडिया के फिरकी जाल से टेस्ट चैंपियन टीम कैसे पार पाती है,निर्णायक और रोचक यही रहने वाला है।वजह एकदम साफ है कि एकादश को लेकर भारतीय टीम मैनजेमेंट का मौजूदा रवैया ज्यादातर आलराउंडर को शामिल करना है।ऐसे टेस्ट मैचों में फिरकी आलराउंडर की मौजूदगी टीम इंडिया की ताकत रहने वाली है। देखना यह है कि अफ्रीकी टीम भारतीय फिरकी से पार कैसे पाती है,क्योंकि घरेलू मैदानों पर टीम इंडिया की असल ताकत उसकी फिरकी है।टेस्ट सीरिज का फैसला जो भी हो,लेकिन सही मायने में आगामी दोनों टेस्ट जबरदस्त होने वाले हैं! दोनों टीम की तरफ से किसी न किसी खिलाड़ी का ऐतिहासिक प्रदर्शन भी हो सकता है,जो सीरीज का रुख तय करेगा।भले ही दावेदारी टीम इंडिया के पक्ष में हो,लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि सीरीज निश्चित ही रोमांचक रहने वाली है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

रिटेंशन डेडलाइन से पहले अपनी टीम को नए सिरे से संतुलित करने की तैयारी में जुटी दिल्ली

डीसी भारतीय खिलाड़ियों पर दिखा सकती है भरोसा, मैकगर्क-ब्रुक का कटेगा पत्ता?

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स ने उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन किया और अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही। टीम ने कई मैचों में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन मिडल ऑर्डर की अस्थिरता और डेथ ओवर की कमजोर गेंदबाजी के कारण प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। अब 15 नवंबर 2025 की रिटेंशन डेडलाइन से पहले दिल्ली अपनी टीम को नए सिरे से संतुलित करने की तैयारी में है।

इन खिलाड़ियों पर रहेगा टीम का भरोसा- दिल्ली कैपिटल्स अपने कुछ भरोसेमंद खिलाड़ियों को रिटेन करने जा रही है। इनमें अक्षर पटेल, केएल राहुल, कुलदीप यादव और ट्रिस्टन स्टब्स प्रमुख नाम हैं। अक्षर पटेल ने पिछले सीजन में बल्ले और गेंद दोनों से टीम को स्थिरता दी। कुलदीप यादव ने लगातार विकेट लेकर टीम की सबसे बड़ी ताकत बने रहे। केएल राहुल, जिन्हें दिल्ली ने पिछले सीजन में जोड़ा था, टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज साबित हुए। उन्होंने 13 पारियों में 539 रन बनाए और उनका औसत 53.90 का और स्ट्राइक रेट 149.72 का रहा। टीम मैनेजमेंट राहुल को अपने टॉप ऑर्डर और भविष्य की लीडरशिप का अहम हिस्सा मानती है।

इन खिलाड़ियों पर गिरेगी गाज

दिल्ली कैपिटल्स अब अपने स्क्वॉड में बड़े बदलाव की ओर बढ़ सकती है। सबसे पहले टी नटराजन का नाम संभावित रिलीज सूची में शामिल है। नटराजन ने 2025 सीजन में सिर्फ एक मैच खेला, जिसमें वह 49 रन देकर कोई विकेट नहीं ले पाए। चोटों और फॉर्म की कमी ने उन्हें टीम से बाहर कर दिया। जेक फ्रेजर-मैकरक का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। उन्होंने छह मैचों में केवल 55 रन बनाए और स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ संघर्ष करते दिखे। वहीं, हैरी ब्रुक को आईपीएल से दो साल का प्रतिबंध लगा है, क्योंकि उन्होंने आखिरी समय में 2025 सीज़न से नाम वापस ले लिया था। दिल्ली ने उन्हें 6.25 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन उनके हटने से टीम की योजना पर बड़ा असर पड़ा।

राहुल पर केकेआर की नजर, लेकिन दिल्ली नहीं छोड़ेगी

आईपीएल ट्रेड विंडो में केएल राहुल को लेकर भी चर्चा रही है। खबरों के मुताबिक, कोलकाता नाइट राइडर्स ने राहुल को पाने के लिए दिलचस्पी दिखाई और यहां तक कि आंद्रे रसेल के बदले ट्रेड ऑफर की संभावना जताई।

संभावित रिटेन और रिलीज सूची

संभावित रिटेन खिलाड़ी: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, कुलदीप यादव, मिचेल स्टार्क, फाफ डुप्लेसिस, करुण नायर, ट्रिस्टन स्टब्स, अभिषेक पोरेल, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, माधव तिवारी, समीर रिजवी, विप्रज निगम, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा। **संभावित रिलीज खिलाड़ी:** टी नटराजन, जेक फ्रेजर-मैकरक, हैरी ब्रुक, मोहित शर्मा, डोनोवन फेरेरा, त्रिपुराना विजय, मणवंत कुमार, अजय मंडल।

नया सीजन, नई सोच

दिल्ली कैपिटल्स का लक्ष्य इस बार एक संतुलित टीम उतारना है। अक्षर और कुलदीप जैसे भारतीय सितारों के साथ विदेशी अनुभव पर भी टीम भरोसा बनाए रखना चाहती है। अब देखना होगा कि ये संभावित बदलाव दिल्ली को आईपीएल 2026 में खिताबी दावेदार बना पाते हैं या नहीं।

संजू सैमसन से ट्रेड से पहले रवींद्र जडेजा का बड़ा दांव!

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के रिटेंशन डेडलाइन नजदीक आने के साथ ही टीमें अब बड़े फैसले लेने के मूड में हैं। ऐसे में सोशल मीडिया और क्रिकेट हलकों में सबसे ज्यादा चर्चा जिस ट्रेड पर हो रही है, वह है रवींद्र जडेजा और संजू सैमसन का संभावित स्वैप की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच एक बड़े खिलाड़ी एक्सचेंज को लेकर बातचीत जारी है। इस सौदे के तहत संजू सैमसन सीएसके में शामिल हो सकते हैं, जबकि जडेजा और सैम करन राजस्थान का रुख कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जडेजा ने इस ट्रेड में एक स्पेशल डिमांड रखी है। अगर वह राजस्थान रॉयल्स में शामिल होते हैं, तो वे टीम की कप्तानी संभालना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जडेजा इस शर्त को डील का अहम हिस्सा मान रहे हैं और आरआर प्रबंधन इस पर गंभीरता से विचार कर रहा है। गौरतलब है कि रवींद्र जडेजा आईपीएल 2022 में सीएसके के कप्तान रहे थे।

फिडे विश्व कप 2025 से बाहर हुए प्रज्ञानंद

अर्जुन एरिगैसी और हरिकृष्ण प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नवी मुंबई , एजेंसी

फिडे विश्व कप 2025 में गुरुवार का दिन भारत के लिए बेहद निराशाजनक रहा। ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन ग्रैंडमास्टर डेनियल डुबोव से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। प्रज्ञानंद को पांचवें राउंड में हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानंद ने पहला रैपिड गेम काले मोहरों से 12 चालों में ड्रॉ किया और सफेद मोहरों से जीत की कोशिश की। लेकिन, उनका दांव उल्टा पड़ गया। डुबोव ने अपनी मजबूत आक्रमणकारी रणनीति से उन्हें 53 चालों में जीत हासिल की।

इसके अलावा, ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने दोनों रैपिड गेम्स में ग्रैंडमास्टर पीटर लेको को हराया। पेंटाला हरिकृष्णा ने दूसरे गेम में ग्रैंडमास्टर निल्स ग्रैंडेलियस को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। एरिगैसी ने पहला रैपिड गेम काले मोहरों के साथ 40 चालों

में जीता। दूसरे गेम में, एरिगैसी ने हंगरी के खिलाड़ी को 57 चालों में हराया। जीत के बाद अर्जुन एरिगैसी ने कहा, ÷मैं बहुत खुश हूं। टाई-ब्रेक अच्छा रहा। क्लासिकल गेम काफी रोमांचक थे, और दूसरे गेम में मुझे थोड़ी बढ़त मिली, लेकिन उसने ड्रॉ खेलने में अपनी कुशलता दिखाई। टाई-ब्रेक में, मैं काफी हद तक नियंत्रण में था। एरिगैसी का अगला मैच दो बार के विश्व कप विजेता ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन से होगा।

ऋतुराज की शतकीय पारी से भारत ए की जीत, द. अफ्रीका को दी मात

राजकोट, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ की शतकीय पारी की मदद से भारत ए ने पहले अनौपचारिक वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका ए को चार विकेट से हराया। राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए डीन फोरेस्टर, डिलानो पोटगिएटर और जोर्न फॉर्चूइन के अर्धशतकों की मदद से 50 ओवर में नौ विकेट पर 285 रन बनाए। जवाब में गायकवाड़ ने 129 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 117 रनों की पारी खेली जिससे भारत ए ने 49.3 ओवर में छह विकेट पर 290 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा की

सलामी जोड़ी ने भारत ए को अच्छी शुरुआत दिलाई। अभिषेक 25 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। रियान पराग इसके बाद अपना विकेट जल्दी गंवा बैठे और आठ रन बनाकर पवेलियन लौट गए। फिर कप्तान तिलक वर्मा ने गायकवाड़ का साथ निभाया और दोनों बल्लेबाजों के बीच अच्छी साझेदारी हुई। इसे बार्टमैन ने तिलक को आउट कर तोड़ा जो 39 रन बनाकर आउट हुए।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कैसे शुरू हुई थी विक्की कौशल-कटरीना कैफ की लव स्टोरी

विक्की कौशल और कटरीना कैफ इन दिनों अपने पैरेंटहुड को एंजॉय कर रहे हैं। हाल ही में कटरीना ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है। अब हाल ही में काजोल और ट्विंकल खन्ना के टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' में पहुंचे विक्की कौशल ने कटरीना से अपनी पहली मुलाकात को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने इस सवाल का भी जवाब दिया कि क्या कटरीना कैफ उनसे बड़ी सुपरस्टार हैं? जानिए विक्की कौशल ने कटरीना कैफ को लेकर क्या कुछ कहा...

'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के नए एपिसोड में विक्की कौशल अभिनेत्री कृति सेनन के साथ नजर आए। इस दौरान दोनों गेस्ट के साथ काजोल और ट्विंकल ने जमकर मस्ती की। शो के दौरान विक्की कौशल ने कटरीना कैफ के साथ अपनी पहली मुलाकात के बारे में बात की। विक्की ने बताया कि कैटरीना से पहली मुलाकात एक अवॉर्ड शो के बैकस्टेज हुई थी। जिसकी मेजबानी मैं खुद कर रहा था और वह मेहमान थीं। हम दोनों को स्टेज पर आना था। मुलाकात के पहले पांच मिनट में कटरीना मुझे शो होस्ट करना सिखा रही थीं।

एक्टर ने बताया दोनों में कौन है बड़ा स्टार?

इस दौरान विक्की ने उस वायरल वीडियो के बारे में भी बात की, जिसमें विक्की अवॉर्ड फंक्शन में स्टेज पर ही कटरीना को शादी के लिए प्रपोज करते हैं। इसके बारे में विक्की ने बताया कि उस कार्यक्रम में मुझे कहा गया था कि स्टेज पर आने वाली किसी भी एक्ट्रेस को प्रपोज करना है। इसके बाद ही मैंने मजाक में कटरीना को प्रपोज किया था। जिसका वीडियो इंटरनेट पर काफी वायरल है। तभी ट्विंकल ने कहा कि उस समय विक्की और कैटरीना दोनों बड़े स्टार थे। इस पर विक्की ने तुरंत ही कहा कि वह (कटरीना) एक सुपरस्टार हैं। शो में आगे ट्विंकल ने पूछा कि अब क्या हालात हैं? अब कौन बड़ा स्टार है? इस पर विक्की ने कहा, 'वह अब भी बड़ी स्टार हैं और हमेशा रहेंगी। फिर ट्विंकल ने कहा कि वह पृथ्वी हैं और आप उनकी परिक्रमा करने वाला चांद हैं। इस पर विक्की ने ट्विंकल की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत सही कहा। विक्की कौशल और कटरीना कैफ 9 दिसंबर 2021 को शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों ने शादी से पहले एक-दूसरे को डेट भी किया था। हालांकि, दोनों ने अपने अफेयर को छिपा कर रखा था।

सेट पर परफेक्ट शॉट पाने के लिए करनी पड़ती है बहुत मेहनत:रसिका

मिर्जापुर वेब सीरीज में बाऊजी की बहू बीना त्रिपाठी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस रसिका दुग्गल की एक और दमदार सीरीज दिल्ली क्राइम 3 नेटफ्लिक्स पर गुरुवार को स्ट्रीम हो गई। क्राइम और थ्रिलर से भरी इस सीरीज में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी भी हैं। इस सीरीज में पुलिस अधिकारी नीतू सिंह का रोल प्ले करने वाली रसिका दुग्गल ने अपने अनुभव को आईएएनएस के साथ शेयर किया है। रसिका दुग्गल ने बताया कि दिल्ली क्राइम 3 के सेट पर उन्होंने फोकस और तकनीक को लेकर बहुत कुछ सीखा। उन्होंने बताया कि कैसे तकनीकी पहलुओं और रचनात्मकता के बीच संतुलन बनाकर एक शॉट को परफेक्ट बनाया जा सकता है। एक्ट्रेस ने कहा कि ÷जब मैं किसी सेट पर जाती हूं तो सोचती हूं, काश उनके पास कोई बहुत अच्छा फोकस करने वाला हो, जिससे शॉट्स को बेहतरीन बनाया जा सके। मैं हमेशा सेट पर इस बारे में पूछती थी। उन्होंने एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि मैंने एक शो किया था और आखिरी सीन में मुझे रोना था। अगर वह सीन नहीं चलता तो बाकी किरदार भी नहीं चलते। ये सीन एक ट्रैक शॉट था जिसमें आधे सेकंड के लिए फोकस चला गया था। मुझे उसका एक और टेक लेने के लिए कहा और उन्होंने उसके लिए एक सेफ्टी टेक लिया, क्योंकि पहले वाले में थोड़ी सी गड़बड़ी थी। दूसरा शॉट इतना परफेक्ट नहीं था, लेकिन फिर भी निर्देशक ने पहला वाला ही रखा।

मेट्रो बाजार

मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड का मुनाफा 28.3 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। मुथूट पप्पाचन ग्रुप की प्रमुख एनबीएफसी मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में मजबूत नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी के अनुसार, इसकी कंसोलिडेटेड एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर ?55,707.53 करोड़ पर पहुंच गई, जबकि कर-पश्चात लाभ (पीएटी) 630.36 करोड़ रहा।

दूसरी तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा। इस दौरान पीएटी 59.56त्न बढ़कर ?429.81 करोड़ हो गया। वहीं राजस्व 28.38त्न बढ़कर ?2,712.13 करोड़ पर पहुंचा। कंपनी ने कहा कि यह वृद्धि अनुशासित संचालन और ग्राहकों के प्रति बढ़ते भरोसे का परिणाम है।

सेनको गोल्ड के शुद्ध लाभ में हुई चार गुना वृद्धि - सेनको गोल्ड लिमिटेड ने सितंबर तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में चार गुना वृद्धि के साथ 48.8 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। यह सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव के बावजूद बेहतर मार्जिन और हीरे के आभूषणों की अधिक मांग के कारण हुई। पिछले वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 12.1 करोड़ रुपये था। तिमाही के लिए समेकित राजस्व वर्ष-दर-वर्ष 2 प्रतिशत बढ़कर 1,536.1 करोड़ रुपये हो गया, जबकि समायोजित ईबीआईटीडीए 30 प्रतिशत बढ़कर 106.5 करोड़ रुपये हो गया। 30 सितंबर को समाप्त छमाही में समेकित राजस्व 16 प्रतिशत बढ़कर 3,362.3 करोड़ रुपये हो गया, जो एक वर्ष पूर्व 2,904.4 करोड़ रुपये था।

निर्यातकों ने 45000 करोड़ की सरकारी योजनाओं को सराहा, बोले- मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। निर्यात क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से घोषित योजनाओं को निर्यातकों ने सकारात्मक बताया है। निर्यातकों का कहना है कि सरकार की ओर से मंजूर की गई 45,000 करोड़ रुपये की दो योजनाओं से उद्योग को किफायती वित्त, अनुपालन जटिलताओं और ब्रांडिंग की कमी जैसी दीर्घकालिक चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। निर्यातकों का मानना है कि निर्यात संवर्धन मिशन (25,060 करोड़ रुपये) और ऋण गारंटी योजना (20,000 करोड़ रुपये) भारत के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करेगी। सीआईआई की राष्ट्रीय निर्यात समिति के अध्यक्ष और पैटन इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संजय बुधिया ने कहा कि इन उपायों का मकसद एमएसएमई, पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम-प्रधान क्षेत्रों को सशक्त बनाना है। इससे वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच लचीलापन सुनिश्चित हो सकेगा।

बुधिया ने कहा, वित्तीय और गैर-वित्तीय हस्तक्षेपों को एक छतरी के नीचे लाकर, यह किफायती वित्त, अनुपालन जटिलताओं और ब्रांडिंग की कमी जैसी दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करता है, और एमएसएमई के लिए नए अवसरों को खोलता है।÷ उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यापार प्रणालियों के साथ डिजिटल एकीकरण से निर्यातक अनुभव में बदलाव आएगा, कागजी कार्रवाई कम होगी, तेजी से वितरण संभव होगा और समन्वय बढ़ेगा। रिधान निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसी) के उपाध्यक्ष ए शक्तिवेल भी सरकार की योजनाओं को सही मानते हैं हैं। उन्होंने कहा कि इन उपायों से उद्योग के सामने मौजूद हालिया चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिलेगी।

अनोखा यूजियम: प्रकृति से प्रेरित वास्तुकला

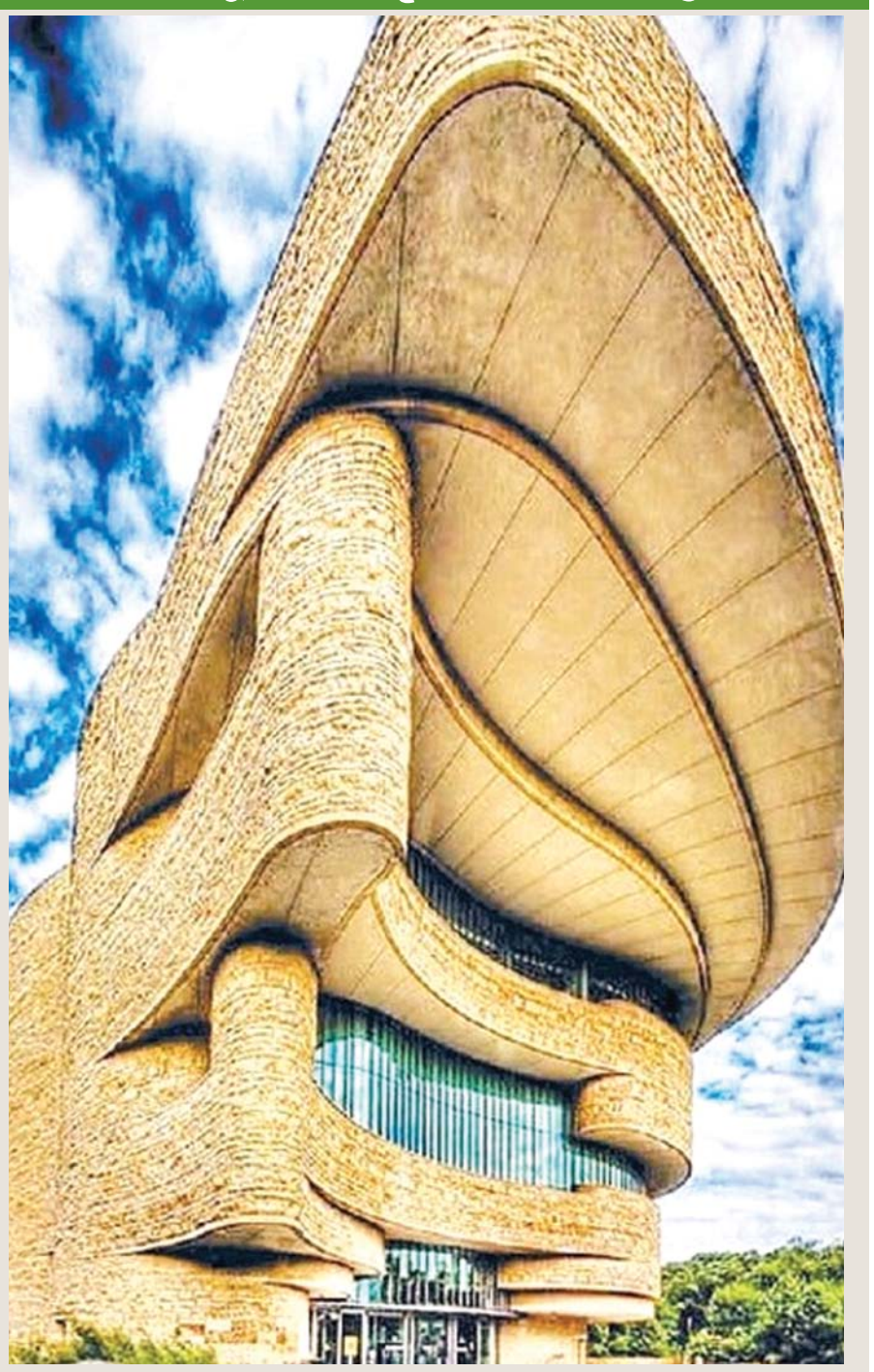

वाशिंगटन में यह भव्य भवन नेशनल यूजियम ऑफ द अमरीकन इंडियन का है, जो अपनी अनोखी वक्राकार संरचना और प्रकृति से प्रेरित है। भवन का डिजाइन हवा से तराशे गए शिलाखंडों की आकृति का आभास कराता है। यह धरती, संस्कृति और आकाश- तीनों के बीच एक गहरे संबंध का दृश्य रूपक है।

यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर को लेकर हुआ एक बड़ा खुलासा हुआ

महीनों जेल में रह चुका है अल-फलाह यूनिवर्सिटी का चेयरमैन

दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली ब्लास्ट मामले के तार सीधे फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ रहे हैं। ये वही यूनिवर्सिटी है, जहां से आर्तकियों को गिरफ्तार किया गया था। अल-फलाह यूनिवर्सिटी से पकड़े गए डॉक्टरों से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए थे, साथ ही यहां काम करने वाले एक डॉक्टर उमर मोहम्मद ने ही दिल्ली आकर कार ब्लास्ट किया। अब इस यूनिवर्सिटी को जांच के दायरे में रखा गया है। इसी बीच इस यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद सिद्दीकी को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। जिसमें बताया गया है कि सिद्दीकी 37 महीने जेल में रह चुका है।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी के फाउंडर जावेद अहमद सिद्दीकी, मैनेजिंग ट्रस्टी और संस्थापक का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। ये मामला जावेद सिद्दीकी की 9 कंपनियों से जुड़ा है, ये कंपनियां शिक्षा, सॉफ्टवेयर, निवेश और ऊर्जा क्षेत्रों से थीं। जावेद के खिलाफ मनी स्कीम घोटाले का केस दर्ज हुआ था। ये दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई थी। जावेद सिद्दीकी पर आरोप है कि उसने निवेश योजनाओं के नाम पर लोगों से पैसा लिया। उसकी कई कंपनियां कागजों पर ही थीं। साथ ही पैसे व्यक्तिगत खातों में ट्रांसफर किए गए। जावेद अहमद सिद्दीकी और डायरेक्टर सऊद अहमद सिद्दीकी 7.5 करोड़ के फ्रॉड मामले में कई महीने तक जेल में रहे।

कश्मीर से 600 को लिया हिरासत में

जम्मू-कश्मीर पुलिस और पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग (सीआईके) ने आज भी पूरे कश्मीर में ताबड़तोड़ कार्रवाई की। दक्षिण और मध्य कश्मीर में 600 से ज़्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है और 500 से ज़्यादा समन्वित छापे मारे गए हैं। सुरक्षाबलों ने पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, अनंतनाग, बडगाम और कुपवाड़ा में कार्रवाई की इस दौरान तीन कर्मचारियों और 20 ओजीडब्ल्यू समेत 45 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

तुर्किये में आतंकियों ने की थी मीटिंग

दिल्ली में बम धमाका करने वाले आतंकी डॉ. उमर के साथ जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवात-उल-हिंद (जीयूएच) से जुड़े तीन आतंकी 2022 में तुर्किये गए थे। वहां अंकारा में उनकी मुलाकात हैंडलर उकासा से हुई। टेलीग्राम एप पर शुरू हुई बातचीत बाद में सिग्नल और सेशन पर स्थानांतरित हो गई। इसी दौरान साजिश रची, जिनमें गाड़ियों में आईईडी से धमाके शामिल थे। उमर और मुजम्मिल ने 2023 से जनवरी, 2025 तक लाल किले की कई बार रेकी की। वे अगले साल गणतंत्र दिवस समेत महत्वपूर्ण अवसरों पर हमलों को अंजाम देना चाहते थे। आतंकियों की दिसंबर में दिल्ली में सीरियल ब्लास्ट को अंजाम देने की साजिश थी। इन्होंने हमले के लिए कारें खरीदीं। ह्यूंडई आई20 और लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट कार उसी साजिश का हिस्सा थी।2022 से अब तक 2,900 किलो एनपीके और 350 किलो से ज्यादा विस्फोटक सामग्री जुटाई गई, जो 50 से अधिक आईईडी बनाने के लिए पर्याप्त थी। इसमें अमोनियम नाइट्रेट और आरडीएक्स भी शामिल थे।सूत्रों ने बताया, कमरा नंबर 13 (जहां मुजम्मिल गनाई रहता था) और उमर उन नबी के कमरा नंबर 4 से बरामद सबूत एक सुनियोजित आतंकी साजिश की ओर इशारा करते हैं। नोटबुक और डायरियां कोडित संदर्भों, नामों और नंबरों से भरी थीं जिन पर 8 से 12 नवंबर की तारीखें लिखी थीं, जिससे पता चलता है कि डॉक्टर कई हमलों की योजना बना रहे थे।

न्यूज विडो

रूसी लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, 2 पायलटों की मौत

मास्को, एजेंसी। रूसी लड़ाकू विमान एसयू-30 प्रशिक्षण के दौरान फिनलैंड सीमा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 2 पायलटों की मौत हो गई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि फिनलैंड की सीमा से लगे करेलिया क्षेत्र में एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर निकला एक रूसी Su-30 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसके दो चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। रूसी रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है, 'मास्को समयानुसार शाम लगभग 7:00 बजे, करेलिया में एक लड़ाकू विमान एक निर्धारित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मंत्रालय ने बताया कि विमान बिना किसी हथियार के उड़ान भर रहा था और घनी जंगलों वाले निर्जन इलाके में गिरा।

अंतरिक्ष में फंसे चीन के एस्ट्रोनॉट्स धरती पर लौटेंगे

बीजिंग, एजेंसी। अंतरिक्ष में फंसे चीन के तीन एस्ट्रोनॉट्स जल्द ही धरती पर वापस लौटेंगे। अंतरिक्ष मिशन के दौरान इनके यान से अंतरिक्ष के मलबे का एक टुकड़ा टकरा गया था। अब नया क्रू अंतरिक्ष भेजा जा रहा है और उनके यान में ये अंतरिक्ष यात्री धरती पर वापस लौटेंगे।

चीन के सरकारी मीडिया ने बताया कि ये तीनों अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने के रोटेशन पर थे और 1 नवंबर को नए दल के पहुंचने के चार दिन बाद वापस धरती पर लौटने वाले थे। हालांकि अंतरिक्ष यात्रियों के शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान के अंतरिक्ष मलबे के एक छोटे से टुकड़े से टकराने की आशंका के बाद उनकी वापसी रद्द कर दी गई थी। सरकारी मीडिया के अनुसार, अब वे शेनझोउ-21 यान से वापस आ रहे हैं। तीनों अंतरिक्ष यात्री - चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जी - अप्रैल में तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन गए थे।

महिला वन अधिकारी की हत्या के मामले में पति गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी। सूरत में महिला वन अधिकारी की हत्या के मामले में उसके पति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित पति परिवहन विभाग में निरीक्षक है। उसने इस हत्या को अपने एक मित्र के साथ मिलकर अंजाम दिया। सूरत के अडाजण वन विभाग में कार्यरत महिला अधिकारी सोनल सोलंकी बीते सप्ताह घायल स्थिति में कामरेज के नजदीक अपनी कार में मिली थीं। उनके सिर में गोली लगी थी। पुलिस को घटना के बाद से फरार उनके पति निकुंज सोलंकी पर शक था।दक्षिण गुजरात में यह हादसा एक सप्ताह से चर्चा में था, लेकिन इसकी गुत्थी अब सुलझती जा रही है। सूरत परिवहन विभाग में निरीक्षक निकुंज सोलंकी ने स्थानीय न्यायालय में अर्जी लगाते हुए एक अन्य मामले में समर्पण करने की इच्छा जताई थी।

क्राइम ब्रांच ने आरोपी सुहैल शेख को किया गिरफ्तार

दाऊद के बड़े ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़, फंसे फिल्मी सितारे

मुंबई, एजेंसी

252 करोड़ रुपए के मेफेड्रोन तस्करी रैकेट के एक बड़े आरोपी मोहम्मद सलीम मोहम्मद सोहेल शेख द्वारा कथित तौर पर आयोजित की गई भव्य ड्रग पार्टियों से जुड़ा एक मामला चर्चा में है। जिसमें बॉलीवुड की कई नामी हस्ती श्रद्धा कपूर, उनके भाई सिद्धांत कपूर, डांसर-एक्ट्रेस नोरा फतेही जैसे कई नाम सामने आए हैं। इस मामले में कांग्रेस नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी, दिवंगत हसीना पारकर के बेटे अलीशाह पारकर और फिल्ममेकर अब्बास मस्तान और रैपर लोका समेत कई बड़े एक्टर्स और मशहूर हस्तियों के नाम भी आ रहे हैं। इस पूरे मामले का खुलासा पुलिस रिमांड कॉपी में दर्ज जानकारी से हुआ है।

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़े ड्रग मामले में बड़ी सफलता का दावा किया है। हाल ही में मुख्य आरोपी मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहैल शेख को दुबई से डिपोर्ट कर गिरफ्तार किया गया है। यह इस जांच में 15वीं गिरफ्तारी है, जिसकी शुरुआत फरवरी 2024 में हुई एक छोटी सी छापेमारी से हुई थी।

पूछताछ और पुलिस रिमांड कॉपी को लेकर सूत्रों ने बताया है, '31 वर्षीय शेख, जो डोंगरी का रहने वाला है और अंडरवर्ल्ड ड्रग माफिया सलीम डोला का कथित करीबी सहयोगी है। वो दाऊद इब्राहिम सिंडिकेट से जुड़ा है, पूछताछ के दौरान कई विस्फोटक खुलासे किए हैं, जिसमें उसने भारत और विदेशों में आयोजित हाई-प्रोफाइल ड्रग-आधारित पार्टियों का हवाला दिया है, जिनमें कई बॉलीवुड और प्रभावशाली हस्तियां शामिल होती थीं।'

पुलिस रिमांड कॉपी के मुताबिक, उसने बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर और उनके भाई सिद्धांत कपूर, डांसर-एक्ट्रेस नोरा फतेही, निर्माता अब्बास मस्तान और रैपर लोका समेत अन्य लोगों के नाम इसमें शामिल होने वालों और प्रतिभागियों के रूप में लिए हैं। इसके अलावा कुछ बड़े नेता और उनके बच्चों के भी शामिल होने की खबर है।रिमांड कॉपी के मुताबिक, उसने दावा किया कि ये कार्यक्रम, जो अक्सर हाई एंड जगहों या पर्सनल फार्महाउस पर आयोजित होते थे, नशीली दवाओं की आय से फंड मिलते थे और डिस्ट्रीब्यूशन के लिए नेटवर्किंग सेंटर के रूप में काम करते थे, जिसमें शेख तस्करों की भर्ती से लेकर डायरेक्ट सप्लाई का सारा काम संभालता था।

बीबीसी ने मांगी ट्रंप से माफी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी 6 जनवरी 2021 की भाषण क्लिप में की गई 'भ्रामक एडिटिंग' के लिए माफी मांगी है। हालांकि बीबीसी ने यह भी कहा है कि मानहानि के दावे का कोई आधार नहीं है।बीबीसी की ओर से चेयरमैन समीर शाह ने व्हाइट हाउस को एक व्यक्तिगत पत्र भेजा, जिसमें उन्होंने ट्रंप के भाषण को एडिट करने की गलती पर खेद जताया। बीबीसी ने अपने जवाब में कहा हम माफी मांगते हैं कि यह एडिट भ्रामक साबित हुई, लेकिन यह किसी तरह की जानबूझकर की गई कार्रवाई नहीं थी। साथ ही, मानहानि के दावे का कोई कानूनी आधार नहीं बनता।उन्होंने कहा कि यह एक एडिटिंग एरर थी, जिससे गलतफहमी हुई।

श्रावस्ती में घर में मृत मिला पूरा परिवार, पांच मौतों से हड़कंप

श्रावस्ती , एजेंसी

श्रावस्ती जिले के इकौना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कैलाशपुर में आज सुबह पूरा परिवार मृत अवस्था में मिला। दंपती के साथ तीन बच्चों का शव देख परिजनों में हड़कंप मच गया। घटना के बाद से गांव में सनसनी फैल गई है। थाना प्रभारी अखिलेश पांडेय, सीओ भारत पासवान मौके पर जांच में जुटे हैं।इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कैलासपुर के मजरा लियाकतपुरवा में पांच शव मिलने के बाद से हड़कंप है। मृतक युवक सिरोज अली की मां ने बताया कि सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो उन्हें चिंता होने लगी। कई बार उन्होंने दरवाजा पीटा लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

कुछ देर इंतजार करने के बाद छोटी बहु व बेटी राबिया को बुलाकर देखने को कहा। बेटी राबिया ने जब खिड़की से देखा तो पांचों लोग बिस्तर पर पड़े थे। मां ने बताया कि उनका बेटा सिरोज अली, उनकी पत्नी शहनाज के बीच पहले झगड़ा होता था, लेकिन अब झगड़ा नहीं होता था। मृतकों में एक डेढ़ साल के बेटे सहित दो बेटियां शामिल हैं।

इनकी मौत हुई: रोजअली (35) पुत्र शमशूल हक, शाहनाज (30) पत्नी रोज अली, तबस्सुम (06) पुत्री रोज अली, गुलनाज (04) पुत्री रोजअली और मोइन (02) पुत्र रोज अली की मौत हुई है।

मेट्रो एंकर — मौसम का मिजाज: मध्यप्रदेश के कई जिलों में शीतलहर का प्रभाव

हिमाचल और कश्मीर में जमने लगी धरती राजस्थान-बंगाल में भी पारा गया सामान्य से नीचे

शिमला/श्रीनगर/जयपुर/कोलकाता, एजेंसी

उत्तर भारत के कई राज्यों में सर्दी ने रफ्तार पकड़ ली है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में शीतलहर का प्रकोप बढ़ गया है, जबकि राजस्थान और पश्चिम बंगाल में तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट की चेतावनी दी है। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी की भी संभावना बनी हुई है, जबकि मैदानी इलाकों में सुबह-शाम ठंडक बढ़ेगी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार नवंबर के मध्य से दिसंबर के आरंभ तक उत्तर भारत में शीतलहर की स्थिति और तीव्र हो सकती है।

वहीं मध्य प्रदेश में भोपाल, इंदौर, राजगढ़ में तीव्र शीतलहर एवं सीहोर, शाजापुर, रीवा, शहडोल, जबलपुर एवं शिवपुरी में शीतलहर का प्रभाव रहा। रात का सबसे कम 7।4 डिग्री सेल्सियस तापमान राजगढ़ में दर्ज किया गया।

हिमाचल प्रदेश में ठंड ने पहाड़ों और घाटियों

दोनों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। लाहौल-स्पीति के ताबो में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज हुई, जहां तापमान माइनस 7।4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। कीलोंग में न्यूनतम तापमान माइनस 3।3 डिग्री, कुकुमसेरी में माइनस 3।1 डिग्री और कल्पा में माइनस 0।4 डिग्री रहा। ऊंचाई वाले इलाकों में पानी की पाइपें जम गई हैं और सुबह के समय बर्फीली हवाओं से लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी पारा सामान्य से दो से पांच डिग्री नीचे रहा। शिमला और धर्मशाला में न्यूनतम तापमान क्रमशः 8।2 और 8 डिग्री रहा।

श्रीनगर में माइनस 2.1 डिग्री

श्रीनगर में इस मौसम की सबसे ठंडी रात रही, जहां पारा माइनस 2.1 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। यह सामान्य से तीन डिग्री कम है। लगभग सभी इलाकों में रात का तापमान शून्य से नीचे रहा। पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 3.8 डिग्री और गुलमर्ग में माइनस 0.5 डिग्री दर्ज किया गया।

राजस्थान में हवाओं ने बढ़ाई सर्दी

राजस्थान में फिलहाल बारिश नहीं हो रही, लेकिन ठंडी हवाओं ने सर्दी का अहसास बढ़ा दिया है। बीते 24 घंटे में अधिकांश इलाकों में न्यूनतम तापमान 7 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। सीकर जिले के फतेहपुर में पारा 7 डिग्री तक पहुंच गया, जो राज्य में सबसे कम रहा।

बंगाल में भी गिरा तापमान दार्जिलिंग में सबसे ठंडा दिन

पश्चिम बंगाल में भी तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि अगले पांच दिनों तक राज्य के विभिन्न जिलों में रात का तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री नीचे रहेगा। बारिश या घने कोहरे की संभावना नहीं है। दार्जिलिंग में बृहस्पतिवार को सबसे कम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564